NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विज़डम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 349 लखनऊ, बुधवार 13 अगस्त 2025 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

विधानसभा में कल 24 घंटे लगातार होगी चर्चा, मंत्रियों की लगाई गई ड्यूटी

संवाददाता

लखनऊ। यूपी विधानमंडल के दोनों सदनों में बुधवार दोपहर 11 बजे से 14 अगस्त दोपहर 11 बजे तक विशेष चर्चा होगी। इसे यूपी 2047 विजन डॉक्यूमेंट का नाम दिया गया है। बुधवार से चौबीस घंटे चलने वाले सदन में मंत्रियों की मौजूदगी अनिवार्य करने के लिए शिफ्टवार ड्यूटी लगाई गई है। बुधवार शाम 6 बजे से बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे तक सदन में रहने के लिए 28 मंत्रियों का रोस्टर जारी किया गया है। सबसे ज्यादा 8 मंत्री तड़के तीन बजे से सुबह छह बजे के बीच रहेंगे।

सदन में हर समय मंत्रियों की अनिवार्य मौजूदगी का रोस्टर बुधवार शाम 6 बजे से लागू होगा। इससे पहले सदन में 28 के अतिरिक्त अन्य मंत्री मौजूद रहेंगे। शाम 6 से बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे तक का समय छह शिफ्ट में बांटा गया है। सिर्फ एक शिफ्ट दो घंटे की होगी। शेष शिफ्ट 3–3 घंटे की रहेंगी।

विधान परिषद और विधानसभा में 13 अगस्त को प्रातः 11 बजे से विजन डॉक्युमेंट–2047 पर चर्चा प्रारंभ होगी। इसकी थीम है–विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश–2047। विधानसभा में चर्चा की शुरुआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे, जबकि विधान परिषद में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सबसे पहले अपनी बात रखेंगे।

2047 में यूपी को लेकर सदस्यों का क्या दृष्टिकोण है। तब तक क्या–क्या काम होने चाहिए और यूपी की कैसी तस्वीर तब तक वे देखना चाहते हैं। सभी सदस्य इस मुद्दे पर अपना मत रख सकेंगे। चर्चा में भाग लेने के लिए मंत्रियों के लिए भी समय का स्लॉट तय कर दिया गया है।

विजन डॉक्युमेंट पर चर्चा को लेकर सपा ने भी अपनी रणनीति तैयार की है। सपा सदस्यों का कहना है कि वे सदन में मौजूद रहकर भाजपा के झूठे वादों की पोल खोलेंगे। सपा के विधायक आरके वर्मा ने कहा कि हम भाजपा का विजन डाक्युमेंट बहुत पहले देख चुके हैं। उन्होंने सवाल दागे कि क्या काला धन वापस आया। हर खाते में 15 लाख पहुंचे। दो करोड़ लोगों को रोजगार मिला। नोटबंदी के क्या फायदे हुए और किसानों की आय दोगुना करने के वादे का क्या हश्र हुआ। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि यह चर्चा अनावश्यक है। अपनी रणनीति हम बुधवार को 10 बजे बैठक करके तय करेंगे।

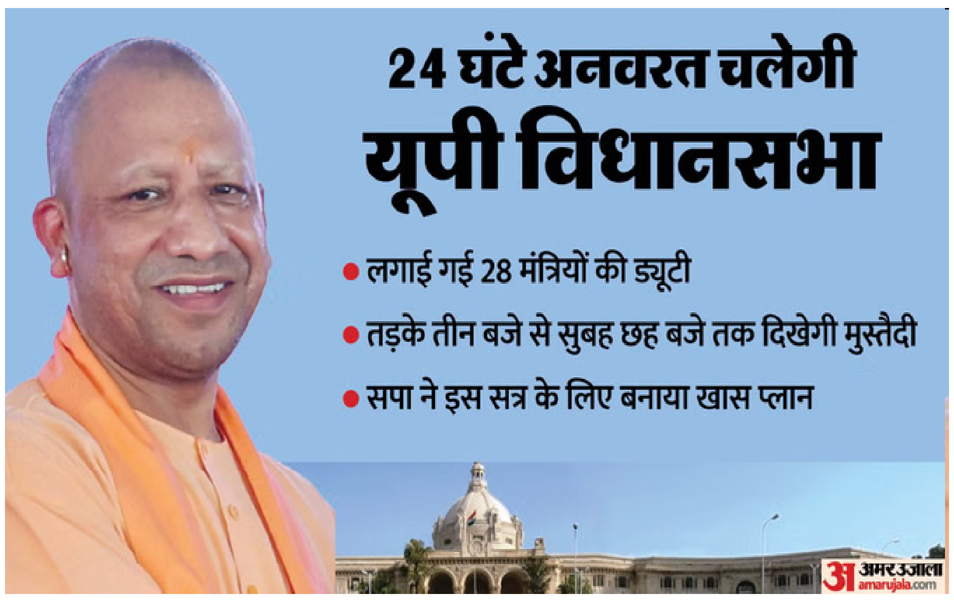

आधार पहचान का प्रमाण नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने किया चुनाव आयोग का समर्थन

दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के इस रुख को बरकरार रखा है कि आधार कार्ड को भारतीय नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जा सकता और इसका उचित सत्यापन आवश्यक है। सर्वोच्च न्यायालय ने जोर देकर कहा कि आधार विभिन्न सेवाओं का लाभ उठाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहचान दस्तावेज है, लेकिन यह अपने आप में धारक की राष्ट्रीयता स्थापित नहीं करता। शीर्ष न्यायालय का यह फैसला बिहार के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उठे विवाद के बीच आया है। मामले की सुनवाई करते हुए, न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि चुनाव आयोग का यह कहना सही है कि आधार को निर्णायक प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसे वैध साक्ष्य मानने से पहले उचित सत्यापन आवश्यक है।

न्यायमूर्ति कांत ने याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से कहा कि चुनाव आयोग का यह कहना सही है कि आधार को नागरिकता के निर्णायक प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसे सत्यापित किया जाना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि निर्णय लेने योग्य प्राथमिक मुद्दा यह है कि क्या भारत के चुनाव आयोग के पास मतदाता सत्यापन प्रक्रिया करने का अधिकार है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने टिप्पणी की कि यदि चुनाव आयोग के पास ऐसी शक्ति नहीं है, तो मामला यहीं समाप्त हो जाता, लेकिन यदि उसके पास यह अधिकार है, तो इस प्रक्रिया पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने तर्क दिया कि 1950 के बाद भारत में जन्मा प्रत्येक व्यक्ति नागरिक है, लेकिन उन्होंने दावा किया कि वर्तमान प्रक्रिया में गंभीर प्रक्रियागत खामियाँ हैं। एक उदाहरण देते हुए, उन्होंने कहा कि एक छोटे से विधानसभा क्षेत्र में, 12 जीवित व्यक्तियों को मृत घोषित कर दिया गया था, और बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) ने अपने कर्तव्यों का पालन नहीं किया था। सिब्बल ने आगे तर्क दिया कि चुनाव आयोग द्वारा अपनाई जा रही प्रक्रिया के परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर मतदाता बहिष्कृत हो सकते हैं, विशेष रूप से उन लोगों पर जो आवश्यक प्रपत्र जमा नहीं कर पाए। उन्होंने बताया कि 2003 की मतदाता सूची में पहले से सूचीबद्ध मतदाताओं से भी नए प्रपत्र भरने के लिए कहा जा रहा है और ऐसा न करने पर उनके निवास में कोई बदलाव न होने के बावजूद उनके नाम हटा दिए जाएँगे।

उन्होंने आगे कहा कि, चुनाव आयोग के अपने आँकड़ों के अनुसार, 7.24 करोड़ लोगों ने आवश्यक प्रपत्र जमा किए थे, फिर भी लगभग 65 लाख नाम मृत्यु या प्रवास के उचित सत्यापन के बिना हटा दिए गए। उन्होंने आगे कहा कि आयोग ने अपने हलफनामे में स्वीकार किया है कि इन विलोपनों के समर्थन में कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया था।

इनकम टैक्स बिल-2025 पास, लोकसभा में विपक्ष का जबरदस्त हंगामा

संसद का मानसून सत्र चल रहा है। आज मानसून सत्र का 17 वां दिन था। आज भी विपक्ष का हंगामा जबरदस्त से तरीके से देखने को मिला। बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चर्चा की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच दोनों सदनों में कई विधेयक को पारित कराया गया। राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा और विपक्ष नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच वार–पलटवार का दौर भी देखने को मिला। वहीं लोकसभा में विपक्ष का प्रदर्शन जबरदस्त तरीके से हुआ।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि हम सबने देखा है कि कागज का टुकड़ा चेयर की तरफ फेंका गया और गंदी नारेबाजी की गई। जिस सदन में हम काम करते हैं और

देश की सेवा करते हैं, उसी सदन में आज आपने चेयर पर कागज फेंका है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ये सदन सबका है. ये देश का सदन है। ये देश और ये सदन नियम–कानून से चलेगा, विपक्ष की मनमानी से नहीं चलेगा। वहीं, चेयर पर मौजूद जगदंबिका पाल ने कहा कि आज जो सदन में हुआ वह सदस्यों ने नहीं किया है। कांग्रेस के उपनेता ने इशारा किया और कागज दिया कि उसे फाड़ें। कोई उपनेता इस तरह का गैर–जिम्मेदाराना हरकत नहीं करता।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को पद से हटाने के एक प्रस्ताव को मंगलवार को स्वीकार कर लिया और उनके खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने समिति के गठन की घोषणा करते हुए कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोप गंभीर प्रकृति के हैं, इसलिए उन्हें न्यायाधीश के पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए। बिरला ने कहा कि तीन सदस्यीय समिति में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश अरविंद कुमार, मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मनींद्र मोहन श्रीवास्तव और कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता बी वी आचार्य शामिल होंगे।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में आयकर विधेयक, 2025 और कराधान कानून (संशोधन) विधेयक, 2025 पर चर्चा का उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि एक लाख रु हर महीने कमाने वालों को आय कर नहीं देना होगा, हमने ऐसे टैक्स का ढ़ांचा तैयार किया है. राहत दी गई है, दरों में कटौती की गई है। उन्होंने कहा कि जैसा जुलाई 2024 के बजट में वादा किया था, करों से जुड़े नियमों और प्रावधानों को आसान बनाया जा रहा है। राज्यसभा ने आयकर विधेयक, 2025 और कराधान विधि (संशोधन) विधेयक पर चर्चा कर इन्हें ध्वनिमत से लोकसभा को लौटा दिया, जिन्हें लोकसभा पहले ही पारित कर चुकी है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश के खिलाड़ियों के प्रदर्शन को निखारने तथा उन्हें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार उत्कृष्टता के उच्चतम स्तर पर पहुंचाने के उद्देश्य से लाए गए राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक, 2025 तथा राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025 को मंगलवार को संसद की मंजूरी मिल गई। राज्यसभा ने राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक, 2025 तथा राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025 को संक्षिप्त चर्चा के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया जो कल लोकसभा में पारित हुए थे।

ईडी ने पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना को भेजा समन

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना को प्रवर्तन निदेशालय ने ऑनलाइन सट्टा लगाने वाले एप से जुड़े मामले में बुधवार को पूछताछ के लिए बुलाया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया कि रैना कल (13 अगस्त) ईडी के समक्ष कथित अवैध सट्टेबाजी एप से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए पेश हो सकते हैं। संघीय जांच एजेंसी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनके बयान दर्ज कर सकती है।

सूत्रों ने बताया कि रैना को 1ÛBet नामक एप से जुड़े अवैध सट्टेबाजी मामले में पूछताछ के लिए 13 अगस्त को एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है। माना जा रहा है कि पूर्व भारतीय क्रिकेटर कुछ विज्ञापनों के जरिए इस एप से जुड़े हैं। ईडी अधिकारियों द्वारा पूछताछ के दौरान इस एप से उनके संबंधों को समझने की उम्मीद है। बता दें कि, एजेंसी अवैध सट्टेबाजी एप्स से जुड़े कई ऐसे मामलों की जांच कर रही है, जिन पर कई लोगों और निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी करने या भारी मात्रा में कर चोरी करने का आरोप है।

सुरेश रैना भारत के सबसे सफल मिडल ऑर्डर बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 322 मैचों में करीब 8000 रन बनाए हैं। इसके अलावा वो तीनों प्रारूपों में शतक लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी हैं। रैना का आईपीएल करियर भी बेहद शानदार रहा है। 205 मुकाबलों में उन्होंने 5528 रन बनाए हैं और उन्हें 'मिस्टर आईपीएल' का टाइटल भी मिला है। चार बार सीएसके को चौंपियन बनाने में उनकी अहम भूमिका रही है। उनके 100' रन की पारी आज भी आईपीएल की यादगार पारियों में से एक मानी जाती है।

प्रियंका गांधी पर इस्राइली राजदूत की टिप्पणी अस्वीकार्य - जयराम रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने मंगलवार को पार्टी नेता प्रियंका गांधी की गाजा संघर्ष पर की गई टिप्पणी के जवाब इस्राइली राजदूत के बयान की निंदा की। उन्होंने इस्राइली राजदूत रियूवेन अजार के शब्दों को पूरी तरह अस्वीकार्य बताया और नरेंद्र मोदी सरकार की इस मुद्दे पर चुप्पी को नैतिक कायरता कहा। रमेश ने मांग की कि भारत सरकार को इस पर सख्त आपत्ति जतानी चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर एक पोस्ट में जयराम रमेश ने लिखा, कांग्रेस ने इस्राइल के भारत में राजदूत की ओर से प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा गाजा में जारी नरसंहार पर जताई गई पीड़ा और दुख के जवाब में कहे गए शब्दों की निंदा की है। यह उम्मीद करना बहुत ज्यादा होगा कि मोदी सरकार इस पर कोई कड़ा कदम उठाएगी, जिसने पिछले 18 से 20 महीनों में गाजा की तबाही पर बोलने में बहुत बड़ी नैतिक कायरता दिखाई है। लेकिन हम इस टिप्पणी को पूरी तरह अस्वीकार्य मानते हैं और इसका विरोध करते हैं।

यह विवाद तब शुरू हुआ, जब प्रियंका गांधी वाड्रा ने गाजा में इस्राइली कार्रवाई को श्नरसंहारश बताया और कहा कि इस्राइल ने 60,000 से अधिक लोगों की हत्या की है, जिनमें 18,430 बच्चे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की इस मुद्दे पर चुप्पी श्शर्मनाकश है। प्रियंका गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा, इस्राइली राज्य नरसंहार कर रहा है। उसने 60,000 से ज्यादा लोगों की हत्या की है, जिनमें 18,430 बच्चे हैं। उसने सैकड़ों लोगों को भूख से मार डाला है, जिनमें कई बच्चे भी शामिल हैं और अब वह लाखों लोगों को भूखा मारने की धमकी दे रहा है।

उन्होंने आगे लिखा, इन अपराधों पर चुप रहना और कुछ न करना भी एक अपराध है। यह शर्मनाक है कि जब इस्राइल यह तबाही फलस्तीनियों पर बरपा रहा है, तब भारत सरकार चुप है। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने अलजजीरा के पांच पत्रकारों की हत्या की निंदा करते हुए लिखा, पांच पत्रकारों की हत्या फलस्तीनी जमीन पर किया गया एक और भयानक अपराध है। इन पत्रकारों की हिम्मत और सच्चाई के लिए लड़ने की ताकत कभी इस्राइली हिंसा से नहीं टूटेगी।

पीएम मोदी ने उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति से की बात, 18 अगस्त को इंडिया ब्लॉक नेताओं की संभावित बैठक

दिल्ली। पीएम मोदी ने आज उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव के साथ बातचीत की है। इसकी जानकारी देते हुए पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव के साथ एक उपयोगी बातचीत हुई। हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की और भारत–उज्बेकिस्तान रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने के अपने साझा संकल्प की पुष्टि की।

अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गए स्वप्निल सोनी की बहन तृप्ति सोनी ने घटना की जांच की मांग की है और अमेरिका में कानूनी कार्रवाई करने की योजना की घोषणा की है। उन्होंने भारत सरकार पर चुनिंदा आंकड़े जारी करने का भी आरोप लगाया। तृप्ति सोनी ने खुलासा किया कि वह अमेरिका में उत्पाद दायित्व का मामला दायर करेंगे। अमेरिकी कानून उत्पाद दायित्व के बारे में सख्त हैं। इससे पहले हमें इस दुर्घटना के कारणों की जानकारी चाहिए। हमें अब तक भारत सरकार से कोई समर्थन नहीं मिला है। जवाबदेही के लिए सरकारी समर्थन जरूरी है। लेकिन हमें भारत सरकार के समर्थन की जरूरत है ताकि यह देखा जा सके कि जो जांच हो रही है वह पूरी तरह पारदर्शी और सही मायनों में निष्पक्ष और स्वतंत्र है। एक पीड़ित परिवार के रूप में हम उम्मीद करते हैं कि यह जांच जल्द से जल्द पूरी हो और सही मूल कारण लोगों के सामने रखे जाएं।

तमिलनाडु सरकार ने कहा कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन मंगलवार को 21 लाख से अधिक लाभार्थियों वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों के दरवाजे तक राशन सामग्री पहुंचाने की योजना का शुभारंभ करेंगे। स्टालिन मुख्यमंत्री थायुमानवर योजना का शुभारंभ करेंगे। इसमें चावल और चीनी सहित राशन की वस्तुएं लाभार्थियों को उनके दरवाजे पर पहुंचाई जाएंगी। 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांग राशन कार्ड धारक इस योजना के लक्षित लाभार्थी हैं। योजना से लगभग 20.42 लाख वरिष्ठ नागरिक और 1.27 लाख से अधिक दिव्यांगजन लाभान्वित होंगे। राशन सामग्री प्रत्येक दूसरे शनिवार और रविवार को लाभार्थियों के घर तक पहुंचाई जाएगी। कर्मचारी पात्र लाभार्थियों तक सामान पहुंचाएंगे। कर्मचारियों को एक इलेक्ट्रॉनिक वजन तौलने वाली मशीन और ई–पीओएस (प्वाइंट ऑफ सेल) मशीन भी उपलब्ध कराई जाएगी।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि इस वर्ष हर घर तिरंगा अभियान के चौथे संस्करण के लिए पांच लाख से अधिक युवाओं ने पंजीकरण किया है। ये स्वयंसेवक के रूप में युवाओं को तिरंगा अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगे। इसका मकसद देश के हर नागरिक को भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को अपने घरों में लगाने के लिए प्रेरित करना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान, अभियान से बढ़कर एक भावनात्मक आंदोलन है। यह 1.4 अरब भारतीयों को हमारे राष्ट्रीय ध्वज के शाश्वत रंगों के तले एकजुट करता है। इसका उद्देश्य देशभक्ति को जगाना है।

चार दिवसीय भारत दौरे पर आए ऑस्ट्रेलियाई सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट ने भारतीय समकक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी से मुलाकात की। लेफ्टिनेंट जनरल स्टुअर्ट 11 अगस्त से 14 अगस्त तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। अधिकारियों ने बताया कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के सेना प्रमुखों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने और क्षेत्रीय स्थिरता एवं वैश्विक शांति के लिए सैन्य संबंधों को गहरा करने पर चर्चा की। भारत ने उन्हें सेना के ऑपरेशन सिंदूर और भारत के सुरक्षा परिप्रेक्ष्य के बारे में भी जानकारी दी। लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट ने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ भी उच्च स्तरीय चर्चा की। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, इस यात्रा का मकसद द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत करना तथा दोनों देशों के बीच रणनीतिक भागीदारी को बढ़ाना है। सेना प्रमुख ने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष से मुलाकात के अलावा कजाकिस्तान के पहले उप रक्षा मंत्री– लेफ्टिनेंट जनरल सुल्तान कमालतदीनोव से भी मुलाकात की। कजाकिस्तानी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के प्रमुख और आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी की मुलाकात को लेकर भारतीय सेना ने बताया कि दोनों की चर्चा द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने, सैन्य–से–सैन्य संबंधों का विस्तार करने, क्षेत्र में मौजूदा भू–रणनीतिक वातावरण और क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक शांति के लिए पारस्परिक प्रतिबद्धता पर केंद्रित रही।

मक्कल निधि मय्यम पार्टी के संस्थापक कमल हासन ने सोमवार को चुनाव आयोग से मतदाता सूची को मशीन से पढ़े जा सकने वाले प्रारूप में प्रकाशित करने और स्वतंत्र ऑडिट की अनुमति देने की मांग की। राज्यसभा सांसद हासन ने दिल्ली पुलिस द्वारा राहुल गांधी और अन्य इंडिया ब्लॉक सांसदों को कुछ समय के लिए हिरासत में लिए जाने की कड़ी निंदा की। एमएनएम प्रमुख ने कहा कि मतदाता सूची को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। हासन ने पूछा, स्वतंत्र सत्यापन की अनुमति देने वाले प्रारूप में मतदाता सूची प्रकाशित करने से इनकार क्यों किया जा रहा है? विपक्ष के नेता राहुल गांधी से लिखित शपथ की मांग क्यों की जा रही है, जबकि वे जिस आंकड़े का हवाला दे रहे हैं, वह आयोग के अपने रिकॉर्ड से है?

वाईएसआरसीपी ने सोमवार को आरोप लगाया कि मंगलवार को होने वाले पुलिवेंदुला जेडपीटीसी उपचुनाव श्तनावपूर्ण माहौल और व्यापक चुनावी गड़बड़ी के बीचश हो रहे हैं। एमपीटीसी चुनाव चित्तूर जिले के रामकुप्पम, पलनाडु जिले के करेमपुडी और नेल्लोर जिले के विदवलुरु में होंगे, जबकि जेडपीटीसी चुनाव वाईएसआर कडप्पा जिले के पुलिवेंदुला और वोंटीमिट्टा में होने हैं। वाईएसआरसीपी ने कहा, श12 अगस्त को होने वाला जेडपीटीसी उपचुनाव हिंसक झड़पों, पुलिस मामलों और बड़े पैमाने पर चुनावी गड़बड़ी के आरोपों के बाद तनावपूर्ण राजनीतिक माहौल में होने की उम्मीद है।श वाईएसआरसीपी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली सरकार विभिन्न चुनावी कदाचार के जरिये उपचुनाव के नतीजों को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने सोमवार को कहा कि दिल्ली मेट्रो स्टेशनों और देश भर में उसके अंतर्गत आने वाले सभी हवाई अड्डों पर सुरक्षा उपाय कड़े कर दिए गए हैं।

"अपनी बीवी की कसम खा कर कहो" सपा विधायक के सवाल पर सिंचाई मंत्री स्वतंत्र देव सिंह भड़के

संवाददाता

लखनऊ। यूपी विधानसभा में विपक्षी विधायक ने सिंचाई मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से कहा कि मेरे गांव में अभी तक पानी नहीं पहुंचा है। सिंचाई मंत्री ने कहा कि अपनी पत्नी की कसम खाकर कहो कि आपके गांव में पानी नहीं पहुंचा। दरअसल, समाजवादी पार्टी के विधायक फहीम इरफान ने कहा कि जल जीवन मिशन को लेकर सदन में बैठे सभी विधायक दुखी हैं। उन्होंने यह भी कहा की हालत यह है कि प्रेशर इतना काम रहता है कि आधे घंटे में एक बाल्टी पानी भरता है। उन्होंने यह भी कहा कि जल जीवन मिशन आने के बाद से हैंडपंप की व्यवस्था बंद कर दी गई है। सपा विधायक ने कहा कि पहले रोड तोड़े और फिर पानी के टैंक बनवाए गए। चाहे मामला अयोध्या का हो या बरेली का हो या सीतापुर का, प्रदेश में कई जगह पानी की टंकियां गिर गई है। हालत बहुत बुरे हैं।

सपा विधायक ने कहा कि जो पाइपलाइन डाली गई उसका कंडीशन यह है कि जहां–जहां यह योजना शुरू हुई है, वहां लोग बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। जिन्हें टेंडर दिया गया उन्होंने अपने मन के हिसाब से काम किया है। इसके जवाब में स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि प्रदेश में कुल 563992 किलोमीटर विवरण प्रणाली के संक्षेप 515000 किलोमीटर विवरण प्रणाली बिछाई गई है। उन्होंने कहा कि मैं इरफान से कहना चाहता हूं कि अपनी बीवी की कसम खाकर कहे कि मेरे गांव में पानी नहीं पहुंचा है। आप बोलिए... आप बीवी की कसम खाकर बता दें कि उनके गांव में पानी नहीं आ रहा है। मैं गारंटी कह रहा हूं कि अगर उनके गांव में पानी नहीं पहुंचेगा तो मैं आज ही रिजाइन दे दूंगा।

जवाब में फहीम इरफान ने कहा कि सिर्फ मेरे गांव पर आने से पहले मंत्री बीवी की कसम की बात ना करें। एक जिले की जांच कर लें। यह बीवी की कसम खाने की बात कह रहे हैं। मैं विधानसभा से इस्तीफा दे दूंगा। उत्तर प्रदेश सरकार के संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने मंगलवार को विधानसभा में फतेहपुर प्रकरण पर कहा कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज हुई है और कानून अपना काम करेगा। खन्ना ने कहा कि जो भी कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश करेगा, उसको न्यायिक प्रक्रिया के तहत दंड जरूर मिलेगा। विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन प्रश्नकाल के बाद नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने फतेहपुर जिले के एक मकबरे का मामला उठाया और इस पर सरकार का पक्ष जानना चाहा।

दक्षिणपंथी हिंदू संगठनों के सदस्यों ने सोमवार को फतेहपुर जिले में एक मकबरे में घुसकर हंगामा किया और दावा किया कि यह एक मंदिर स्थल है, जहां उन्हें प्रार्थना करने का अधिकार है। हंगामा करने वालों का दावा था कि जिस जगह पर कई सदी पुराना नवाब अबू समद का मकबरा स्थित है, वहां पहले कभी मंदिर हुआ करता था। पुलिस ने सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और शांति भंग करने के आरोप में 150 से अधिक लोगों पर मामला दर्ज किया है। उप्र सरकार के संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने नेता प्रतिपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दे पर सदन में जवाब देते हुए कहा, इस मामले से सरकार का किसी भी तरह से कोई संबंध नहीं है। हम इस बात का पूरी तरह से खंडन करते हैं। उन्होंने कहा कि फतेहपुर कोतवाली में 11 अगस्त की शाम को 10 लोगों के खिलाफ नामजद और 150 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है और कानून अपना काम करेगा।

प्रदेश के इन शिक्षकों को मिल सकती है पुरानी पेंशन

लखनऊ। प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों में वर्ष 2001 से नियुक्त विषय विशेषज्ञों को सरकार पुरानी पेंशन देने पर विचार करेगी। विधान परिषद में शिक्षक दल के सदस्य ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने नियम 105 के तहत यह मुद्दा उठाया। इस पर माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने परिषद सदस्यों व अधिकारियों के साथ वार्ता कर इस मामले में मानक के आधार पर विचार करने का आश्वासन दिया।

ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधिकारी सरकार के पुरानी पेंशन देने के मामले में मनमानी कर रहे हैं। 2001 में नियुक्त इन विषय विशेषज्ञों को नियुक्त किया गया था। इनके पक्ष में 2003 में हाईकोर्ट ने समायोजन का आदेश दिया। 2006 में चयन बोर्ड अधिनियम संशोधित कर इनको पूर्णकालिक शिक्षक का दर्जा दिया गया। सरकार ने 28 मार्च 2005 के पहले ऐसे सरकारी सेवक जिनका चयन विज्ञापन हो चुका है को पुरानी पेंशन देने का निर्णय लिया है।

इसके बाद भी इन विषय विशेषज्ञों को पुरानी पेंशन नहीं दी जा रही है। इस पर माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि इनकी नियुक्ति 5000 रुपये मानदेय पर 11 महीने के लिए की गई थी। बाद में हर साल इनका नवीनीकरण होता था। ऐसे में यह पुरानी पेंशन के लिए पात्र नहीं हैं। इस पर निर्दल समूह के राज बहादुर चंदेल ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि बाद में इन विषय विशेषज्ञों को नियमित करते हुए लेक्चरर और प्रधानाचार्य भी बनाया गया था।

वहीं नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव, भाजपा सदस्यों उमेश द्विवेदी, श्रीचंद शर्मा आदि ने इनको पुरानी पेंशन देने का समर्थन किया। नेता सदन सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि इनकी मौलिक पद पर नियुक्ति नहीं हुई थी। सिर्फ 11 महीने के मानदेय पर हुई थी। इसे लेकर काफी देर चली बहस के बाद अंत में माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने सदस्यों व अधिकारियों के साथ बैठक कर इस मामले पर मानक के आधार पर विचार करने का आश्वासन दिया।

प्रदेश के 44 जिलों में बुधवार को भारी बरसात का अलर्ट जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के तराई इलाकों में मानसूनी बारिश जारी है। बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव क्षेत्र और अरब सागर से आ रही नमी की वजह से मानसून में मजबूती आई है। मौसम विभाग की ओर से बुधवार को यूपी के पूर्वांचल और तराई के 15 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 29 अन्य जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट है। 14 अगस्त यानी बृहस्पतिवार से पूर्वी यूपी में बारिश की तीव्रता घटेगी। हालांकि पश्चिमी यूपी में इसके बाद भी बारिश के आसार हैं। मंगलवार को पश्चिमी तराई के बिजनौर, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर आदि में अच्छी बारिश हुई।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र अमौसी के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में बने नए वेदर सिस्टम की सक्रियता और पूर्वा हवाओं में पर्याप्त नमी के असर से बुधवार को पूर्वांचल और तराई में भारी बारिश देखने को मिलेगी। वहीं 14 अगस्त को प्रदेश भर में अच्छी बारिश की परिस्थितियां बन सकती हैं।

पुराने लखनऊ में भी चलेगी मेट्रो ट्रेन, फेज वन बी परियोजना को दी मंजूरी

लखनऊ। केंद्र की मोदी सरकार ने लखनऊ शहर को बड़ी सौगात दी है। अब पुराने लखनऊ में भी मेट्रो ट्रेन चलेगी। केंद्र सरकार ने कैबिनेट बैठक में 5,801 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले लखनऊ मेट्रो के फेज वन बी परियोजना को मंजूरी दे दी है।

पुराने लखनऊ का मेट्रो रूट 11 किलोमीटर लंबा होगा और इस रूट में अमीनाबाद, चौक, यहियागंज, पांडेयगंज, केजीएमयू, इमामबाड़ा और रूमी गेट स्टेशन होंगे।

पंचकोसी परिक्रमा और दशरथ पथ को मिलेगा नया वैभव

लखनऊ। रामनगरी में धार्मिक सांस्कृतिक व आध्यात्मिक महत्व को सशक्त करने की दिशा में एक और पहल की जा रही है। डीएम निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि पंचकोसी

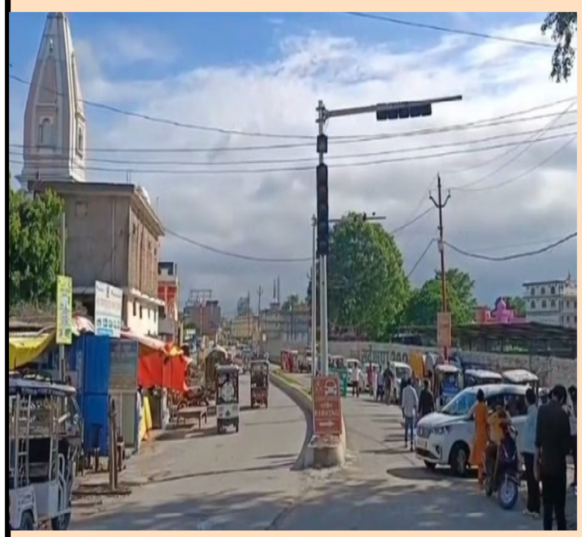

परिक्रमा मार्ग पर भव्य तिलक प्रवेश द्वार का निर्माण किया जा रहा है तो वहीं दशरथ पथ पर सूर्य द्वार का भी निर्माण शुरू हो चुका है।

अयोध्या के प्रमुख धार्मिक स्थल हनुमान गुफा के पास तिलक द्वार बनाया जा रहा है। अयोध्या विकास प्राधिकरण की ओर से एक करोड़ 89 लाख रुपये की लागत से बनाए जा रहे इस प्रवेश द्वार का 60 फीसदी काम लगभग पूरा हो चुका है। तिलक प्रवेश द्वार न केवल एक स्थापत्य संरक्षण है बल्कि यह अयोध्या की समृद्ध धार्मिक परंपरा, आध्यात्मिक पहचान और सांस्कृतिक गरिमा का प्रतीक भी बनेगा।

डीएम निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि पंचकोसी परिक्रमा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए द्वार प्रवेश का आध्यात्मिक अनुभव और भव्यता दोनों ही प्रदान करेगा। इस द्वार को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि शास्त्रीय स्थापत्य कला मंदिर शैली और आधुनिक तकनीक व सुंदर संगम प्रस्तुत हो सके। निर्माण में धार्मिक प्रतीकों को रामायण युगीन प्रेरणा और पारंपरिक शिल्प को प्रमुखता दी जा रही है तो वहीं निर्माणाधीन दशरथ पथ पर भी सूर्य प्रवेश द्वार का निर्माण शुरू हो चुका है। यह दशरथ पथ आजमगढ़ रोड को जोड़ते हुए वाराणसी तक जुड़ेगा। इन दोनों प्रवेश द्वारों के बन जाने से अयोध्या के वैभव में और चार चांद लग सकेंगे।

फतेहपुर मकबरा-मंदिर विवाद-मायावती की अपील- मामले को गंभीरता से ले सरकार

लखनऊ। फतेहपुर में मकबरे के मंदिर होने का दावा करने को लेकर हुए बवाल पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने योगी सरकार से अपील की है कि सरकार को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए और जरूरत पड़े तो सख्त कदम भी उठाने चाहिए।

उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि यूपी के जिला फतेहपुर में मकबरा व मन्दिर होने को लेकर चल रहे विवाद व भी बिगड़े। सरकार इस मामले को जरूर गंभीरता से ले तथा जरूरत पड़ने पर सख्त कदम भी उठाये।

फतेहपुर में मंदिर और मकबरे के विवाद में सोमवार को भाजपा जिलाध्यक्ष के आह्वान पर हिंदू संगठनों के लोग मकबरे पर पहुंच गए और बैरीकेडिंग गिराकर मकबरे पर करीब 20 मिनट तक कब्जा कर लिया और इस दौरान मजार और क्रब्रों में तोड़फोड़ भी की। हिंदू संगठनों का दावा है कि यह मकबरा ठाकुरद्वारा मंदिर है। उन्होंने भगवा झंडा लहरा दिया। धूपबत्ती जलाई और

बवाल पर सरकार को किसी भी समुदाय को ऐसा कोई भी कदम नहीं उठाने देना चाहिये जिससे वहां साम्प्रदायिक तनाव पैदा हो जाये तथा आपसी भाईचारा व सद्भाव नारेबाजी की। सूचना पर दूसरे समुदाय के लोग भी पहुंच गए और पथराव व मारपीट शुरू हो गई। मामले में 160 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया है।

प्रदेश में कोई भी स्कूल बंद नहीं कर रही है सरकार - बेसिक शिक्षा मंत्री

लखनऊ। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार कोई भी स्कूल बंद नहीं कर रही है। जिन स्कूलों का विलय किया गया है, उनका यू–डायस कोड बरकरार रहेगा। नई शिक्षा नीति में कक्षा एक में दाखिले के लिए छह वर्ष की आयु निर्धारित की गई है, लिहाजा विलय के दायरे में आए स्कूलों में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के सहयोग से प्ले ग्रुप खो जा रहे हैं। इससे कक्षा एक में जाने से पहले बच्चों को लिखना–पढ़ना सिखाया जा सकेगा।

बेसिक शिक्षा मंत्री प्रश्नकाल में सपा सदस्य पंकज पटेल, अनिल प्रधान और प्रभु नारायण सिंह द्वारा छात्र–शिक्षक अनुपात को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 50 बच्चों की संख्या वाले स्कूलों में 2 शिक्षक और एक शिक्षा मित्र तैनात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने विलय व्यवस्था का राजनीतिकरण कर लोगों को गुमराह किया है, जबकि सच्चाई यह है कि सरकार ने शिक्षा के स्तर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं। वर्तमान में परिषदीय विद्यालयों में कुल नामांकित छात्रों की संख्या लगभग 1.48 करोड़ से अधिक है।

परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों की कुल संख्या 6.28 लाख से अधिक है। प्राथमिक विद्यालयों में 1,04,93389 बच्चे नामांकित हैं। इनको शिक्षा देने के लिए 3,38,590 शिक्षक और 1,43,450 शिक्षा मित्र नियुक्त हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 43,01,483 बच्चों को पढ़ाने के लिए 1,20,860 शिक्षक और 25,223 अनुदेशक तैनात हैं। प्राथमिक शिक्षा में 30रू1 और उच्च प्राथमिक शिक्षा में 35रू1 का अनुपात का अनुपालन हो रहा है।

उन्होंने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि 2017 से 2025 तक सरकार ने जितना काम किया, उतना किसी भी पूर्ववर्ती सरकार ने नहीं किया। इस वर्ष 27 लाख से अधिक बच्चों का नामांकन हुआ है। सपा सरकार के समय 3.45 करोड़ बच्चे शिक्षा से दूर थे, जबकि मौजूदा सरकार ने अभियान चलाकर बच्चों को घर से निकालकर स्कूल तक पहुंचाने का कार्य किया है। शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए मॉडल कंपोजिट विद्यालय बनाए जा रहे हैं। 30 करोड़ की लागत से प्रत्येक विद्यालय का निर्माण होगा और हर जिले में दो विद्यालय बनेंगे। योगी सरकार शिक्षा की गुणवत्ता को ऊंचाई तक ले जाने के लिए संकल्पित है।

मंत्री ने बताया कि 1 किमी के दायरे और 50 से कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों का ही विलय किया गया है। विलय हुए स्कूलों को संसाधनयुक्त विद्यालयों में समाहित किया गया है, ताकि बच्चों को बेहतर सुविधा और निकटतम स्कूल की पहुंच मिले। अब तक 3000 से अधिक विद्यालय आईसीडीएस के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं और इनके लिए 19,484 एसीसीई की संविदा पर नियुक्ति की जा चुकी है।

उन्हें लोकतंत्र पर भरोसा कब से होने लगा? विधानसभा में समाजवादी पार्टी पर योगी का तंज

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

ने उत्तर प्रदेश विधानसभा सत्र के पहले दिन समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सपा और लोकतंत्र एक ही नदी के दो अलग–अलग छोर हैं। सदन को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी और लोकतंत्र एक ही नदी के दो अलग–अलग छोर हैं। उन्हें लोकतंत्र पर भरोसा कब से होने लगा? लोकतंत्र की बात करना उन्हें शोभा नहीं देता। संभल में उन्होंने क्या किया, यह सबको पता है।

राज्य भर के उदाहरणों का हवाला देते हुए योगी ने कहा कि चाहे संभल हो, बहराइच हो या गोरखपुर, सपा के कुकर्मों के बारे में सबको पता है। उन्होंने अपने कार्यकाल में कुछ नहीं किया। अगर एनडीए सरकार विकास करना चाहती है, तो आपको (समाजवादी पार्टी को) बुरा लग रहा है। हम पूरे प्रदेश के व्यापारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। सपा शासन में व्यापारियों पर गुंडा टैक्स लगाया जाता था। अपनी आलोचना जारी रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी वजह से व्यापारी आपसे नाराज हैं और समाजवादी पार्टी को इसका खामियाजा बार–बार भुगतना पड़ रहा है। व्यापारियों के विकास के लिए कदम उठाने के बजाय, उन्होंने (समाजवादी पार्टी ने) उनकी राह में रोड़े ही अटकाए हैं। समाजवादी पार्टी से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे सुरक्षा की बात करेंगे और अच्छे विकास का समर्थन करेंगे।

सीएम योगी ने सत्र शुरू होने से पहले यूपी विधानसभा को 24 घंटे चलाने संबंधी सपा प्रमुख अखिलेश यादव की टिप्पणी की आलोचना की और मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह सरकार और भाजपा की विकास के प्रति प्रतिबद्धता है। विकास उनके एजेंडे में नहीं है। जब हमने सतत विकास लक्ष्यों, बेहतर शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं, कृषि विकास, कौशल विकास, रोजगार से जुड़े मुद्दों पर 36 घंटे सदन चलाया, तब भी समाजवादी पार्टी के सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गए। विकास उनके एजेंडे में नहीं है।

मीडिया से बात करते हुए सीएम योगी ने कहा कि प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा उठाए गए सभी प्रश्नों के उत्तर दिए जाएँगे। उन्होंने सभी विधायकों का सत्र में स्वागत करते हुए कहा कि आज से यूपी विधानसभा का सत्र शुरू हो रहा है। मैं इस सत्र में शामिल होने आए सभी सदस्यों का स्वागत करता हूं। यूपी विधानसभा देश की सबसे बड़ी विधानसभा है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण सत्र है। इस सत्र में भी प्रदेश की 25 करोड़ जनता के लिए चर्चा होगी।

राष्ट्रीय जूनियर महिला हकी में यूपी को कांस्य

लखनऊ। यूपी ने राष्ट्रीय जूनियर महिला हॉकी प्रतियोगिता में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। काकीनाडा (आंध्र प्रदेश) में आयोजित प्रतियोगिता में तीसरे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में टीम ने छत्तीसगढ़ को 2–0 से

पराजित किया। मुकाबले की शुरुआत से ही यूपी के खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन किया। खेल के 10वें मिनट में कप्तान कुमारी संगीता ने साथी खिलाड़ी के पास पर गोल करते हुए यूपी को 1–0 से बढ़त दिलाई। मध्यांतर तक यह स्कोर कायम रहा। दूसरे हाफ में छत्तीसगढ़ ने कुछ शानदार मूव बनाए, जिसे यूपी की सजग रक्षापंक्ति ने व्यर्थ कर दिया। इस बीच खेल के 60वें मिनट में यूपी के लिए मनीषा पटेल ने छत्तीसगढ़ की रक्षापंक्ति को भेदते हुए यूपी को 2–0 से आगे कर दिया। इसके बाद कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। इस तरह यूपी ने 2–0 से मुकाबला अपने नाम करते हुए प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

यूपी हॉकी के महासचिव रजनीश मिश्रा ने बताया कि पुरुषों के बाद यूपी की महिला टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर लंबे अंतराल के बाद इतनी बड़ी सफलता हासिल की है। इसके लिए टीम की सभी खिलाड़ी बधाई की पात्र है। उम्मीद है कि यूपी में अन्य आयुवर्ग की महिला टीमें इस प्रदर्शन से प्रेरित होंगी।

रैगिंग के खिलाफ विभागों में कार्यक्रमों का होगा आयोजन

लखनऊ। लविवि में एंटी रैगिंग सप्ताह के दौरान वार्ताएं, कार्यशालाएं, नाटक प्रस्तुतियों के जरिए रैगिंग के खिलाफ जागरूकता बढ़ाई जाएगी। विश्वविद्यालय के डॉ. प्रविश प्रकाश ने बताया कि इसके अलावा मनोविज्ञान, दर्शनशास्त्र, अंग्रेजी, काउंसिलिंग एवं गाइडेंस सेल, रसायन विज्ञान व लोक प्रशासन विभाग में भी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

बीएससी के नवप्रवेशित छात्रों के अभिलेख 20 तक होंगे जमा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2025–26 में बीएससी के नवप्रवेशित छात्रों के प्रपत्रों को जमा करने की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू कर दी गई है। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव ने बताया कि ये प्रपत्र 12 से 20 अगस्त के बीच जमा हो सकेंगे।

इन प्रपत्रों में एलॉटमेंट लेटर, फीस रसीद की प्रति, हाईस्कूल की अंकतालिका व प्रमाण पत्र की की छायाप्रति, इंटरमीडिएट की अंकतालिका व प्रमाण पत्र की छायाप्रति, जाति प्रमाण पत्र, टीसी आदि शामिल हैं।

पोस्टर के माध्यम से छात्रों ने दिखाई शिक्षा व अर्थव्यवस्था की स्थिति

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर भविष्य का भारत थीम पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित हुई। जिसमें विश्वविद्यालय के अलग–अलग विभागों के छात्र–छात्राओं प्रतिभाग किया। इस दौरान प्रतिभागियों ने अपने पोस्टरों के माध्यम से शिक्षा, अर्थव्यवस्था, समाज, राजनीति, संस्कृति, विज्ञान एवं अनुसंधान के क्षेत्रों में भविष्य के भारत की संभावित समृद्धि और शक्ति को रचनात्मक ढंग से प्रदर्शित किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राजनीति शास्त्र विभाग, बीए प्रथम वर्ष के वैभव शुक्ला को और दूसरे स्थान पर राजनीति शास्त्र विभाग द्वितीय वर्ष की छात्रा साक्षी मिश्रा रही।

कैफे में पुलिस का छापा - 13 छात्र-छात्राएं पकड़े गए, स्कूल किया था बंक

आगरा। फिरोजाबाद के शिकोहाबाद तहसील तिराहे के समीप दो कैफे में तहसीलदार और शिकोहाबाद पुलिस ने छापा मारा। टीम ने दोनों कैफे में 13 युवक–युवतियों को पकड़ा है। पकड़े गए युवकों का पुलिस ने शांतिभंग में चालान किया है। वहीं युवतियों को उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। एसडीएम डॉ. गजेन्द्रपाल सिंह के अनुसार बैठक रेस्टोरेंट और हॉट पिज्जा नाम से तहसील तिराहे के पास संचालित हो रहे दोनों कैफों को मानक पूरे न होने के चलते सील कर दिया गया है।

तहसील शिकोहाबाद के समीप ही दो कैफे संचालित हैं। जहां पिछले कई दिनों से युवक–युवतियों का आना–जाना बना रहता था। इस तरह के कृत्यों से आसपास रहने वाले लोगों को भी काफी परेशानी हो रही थी। लोगों ने अधिकारियों से कैफे की आड़ में गलत कार्य होने की सूचना दी थी। सोमवार को तहसीलदार कीर्ति चौधरी, लेखपाल शिवांश मिश्रा समेत इंस्पेक्टर शिकोहाबाद अनुज कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए।

अधिकारियों ने दोनों कैफों के अंदर जाकर जांच की, तो दोनों कैफे में युवक–युवतियां मिले। जिनमें से अधिकांश युवक–युवतियां स्कूल जाने के बहाने मिलने के लिए आए थे। पुलिस टीम ने दोनों कैफे से 13 युवक–युवतियों को पकड़ा है। इंस्पेक्टर शिकोहाबाद ने जानकारी दी है कि 13 युवक–युवतियां पकड़े गए थे। जिनमें से युवकों का शांतिभंग में चालान कर दिया है। जबकि युवतियों को उनके परिजनों को बुलाकर उनके सुपुर्द किया गया है। एसडीएम डॉ. गजेन्द्रपाल सिंह ने बताया कि बैठक रेस्टोरेंट और हॉट पिज्जा नाम से तहसील तिराहे के पास संचालित हो रहे दोनों कैफों को मानक पूरे न होने के चलते सील कर दिया गया है।

युवकों पर कार्रवाई के बाद नाराज लोगों ने तहसील में किया हंगामा

कैफे पर जब एसडीएम डॉ. गजेन्द्रपाल सिंह ने कार्रवाई शुरू की, तो सोमवार शाम साढ़े सात बजे करीब तहसील परिसर में काफी संख्या में लोग एवं कुछ अधिवक्ता वहां आ गए। उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे की जानकारी मिलने पर एसडीएम एवं थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने हंगामा कर रहे लोगों को शांत कराया। एसडीएम डॉ. गजेन्द्रपाल सिंह ने बताया कि हंगामा कर रहे लोग युवकों पर कार्रवाई करने के मामले में दखल दे रहे थे। वह अनुचित दबाव बनाते हुए युवकों पर कार्रवाई न किए जाने की बात कर रहे थे। उनके अनुचित दबाव के बावजूद कार्रवाई करने पर हंगामा शुरू कर दिया था।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकाली गई तिरंगा बाइक रैली, कमाडेंट ने दिखाई हरि झंडी

विजडम इण्डिया

प्रयागराज (विनोद द्विवेदी जिला संवाददाता) श्हर घर तिरंगा अभियान के तहत श्री. मनीष कुमार भारती कमाण्डेंट 101

आर.ए.एफ के दिशा निर्देशों में कैम्प परिसर शान्तीपुरम प्रयागराज से MNNIT चौराहा तेलियरगंज प्रयागराज तक भव्य तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया गया।

तिरंगा बाइक रैली का शुभारंभ 101 आर.ए.एफ कैम्प परिसर शान्तीपुरम से हुआ और डछछप्ज चौराहा तेलियरगंज से होते हुए यह पुनः 101 आर.ए.एफ कैम्प परिसर शान्तीपुरम समाप्त हुई। इस दौरान सभी अधिकारियों एवं जवानों ने देश के प्रति अपनी अटूट निष्ठा और समर्पण का प्रदर्शन किया। तिरंगे के साथ मार्च करते हुए देश की एकता और अखंडता के लिए एकजुटता का संदेश दिया।

तिरंगा बाइक रैली में श्री. हरिओम सागर, (द्वि०कमा०अधि०), श्री. पुनर्वसु तिवारी, (द्वि०कमा०अधि०) श्री. अशोक कुमार, श्री. नितिन कुमार (उप०कमा०), श्री. यज्ञ कुमार सिंह (उप०कमा०), श्री. नीरज कुमार (उप०कमा०), एवं अन्य अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारीगण, जवान व महिला कार्मिकों ने जोश और गर्व के साथ भाग लिया।

पुलिस ने मुठभेड़ में पकड़े तीन बदमाश, एक के पैर में लगी गोली

शिकोहाबाद में मंदिर से घंटे चोरी करने के तीन आरोपियों के साथ नसीरपुर पुलिस की मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी। जबकि दो बदमाशों को पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ा। पुलिस ने पकड़े गए तीनों बदमाशों से तमंचा–कारतूस एवं नकदी बरामद की है। तीनों बदमाशों को मंगलवार को जेल भेज दिया।

नसीरपुर क्षेत्र के बटेश्वर–शिकोहाबाद मार्ग पर गांव छटनपुर के पास पूजा स्थल से 26 जुलाई की रात पीपल के पेड़ पर लटके हुए 21 एवं 31 किलोग्राम वजन के दो पीतल के घंटे चोरी हो गए थे। इस घटना की रिपोर्ट नसीरपुर थाने में मंदिर के पुजारी ने दर्ज कराई थी। पुलिस द्वारा जारी की गई विज्ञप्ति के अनुसार 11 अगस्त सोमवार की रात मुखबिर ने पुलिस को सूचना दी कि तीन बदमाश किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में नसीरपुर–सिरसागंज मार्ग पर मौजूद हैं।

सूचना मिलते ही नसीरपुर इंस्पेक्टर ज्ञानेन्द्र सोलंकी, सीओ प्रवीण कुमार तिवारी मयफोर्स के मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने बदमाशों की घेराबंदी शुरू कर दी। खुद को पुलिस टीम से घिरता हुआ देखकर बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए एक बदमाश के पैर में गोली मारकर उसे घायल कर दिया। पुलिस ने मुठभेड़ में तीन बदमाशों को पकड़ा है। जिनके पास से पुलिस ने तलाशी के दौरान दो तमंचे, 7 कारतूस एवं 6 हजार रुपये की नकदी बरामद की है।

पुलिस ने मुठभेड़ में घायल हुए बदमाश सुमित को उपचार के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती करा दिया। वहीं दो अन्य बदमाशों सुरजीत एवं आकाश निवासी ओंखा जनपद मैनपुरी को हिरासत में लिया है। इंस्पेक्टर ने बताया कि तीनों बदमाशों को मंगलवार को जेल भेजा गया है। तीनों एक ही मोहल्ले के रहने वाले हैं। सुमित पर मैनपुरी के विभिन्न थानों में आर्म्स एक्ट व चोरी के तीन जबकि सुरजीत पर चार मुकदमे दर्ज हैं।

एसपी ग्रामीण त्रिगुण बिसेन ने बताया कि पकड़े गए तीनों बदमाश शातिर किस्म के अपराधी हैं। तीनों बदमाशों ने ही पूजा स्थल से घंटे चोरी किए थे। इसके अलावा भी बदमाशों के खिलाफ पूर्व में कई केस दर्ज हैं। जिनको जेल भेजा गया है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर बस पलटी

आगरा। आगरा के बरौली अहीर में सोमवार देर रात लगभग 12:30 बजे आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे पर बड़ा हादसा हो

गया। बमरौली कटारा क्षेत्र के माइलस्टोन नंबर–2 के पास रसूलाबाद (कानपुर देहात) से दिल्ली जा रही एक डबल डेकर बस अचानक डिवाइडर पर चढ़कर पलट गई। इससे यात्रियों में चीख–पुकार मच गई। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष बमरौली कटारा हरीश शर्मा और यूपीडा के सुरक्षा अधिकारी सुधीश शुक्ला टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राहत–बचाव कार्य शुरू किया।

थाना प्रभारी बमरौली कटारा हरीश शर्मा ने बताया कि हादसे में श्याम सिंह पुत्र रामकुमार निवासी गोपालपुर कानपुर देहात, राधा पुत्री नरेंद्र सिंह निवासी अंबेरी औंजार कानपुर देहात, बैजन्ती पत्नी शिव प्रसाद निवासी भरथना इटावा, अंशू पुत्र कैलाश कुमार निवासी सराय महाजना औरैया, आकाश पुत्र राधेश्याम, पत्नी एकता और पुत्री अनन्या निवासी रसूलाबाद कानपुर देहात, अमन शर्मा पुत्र संजीव कुमार शर्मा निवासी रसूलाबाद, शशि पुत्री रामप्रकाश निवासी रसूलाबाद, सोनम पुत्री कमलेश और उसकी बहन सीमा, शशि निवासी उमादीपुर कानपुर देहात, चंदन पुत्र केवल निवासी उदरकोट औरैया घायल हो गए।

हादसे में नीरज पुत्र मुन्ना लाल निवासी काशीपुर कानपुर देहात, मनोज पुत्र नरेश निवासी उदरकोट औरैया, शिव प्रसाद पुत्र रामशंकर निवासी भरथना इटावा, दीपांशी पुत्री जितेंद्र निवासी भरथना, खुशबू पुत्री कुमरपाल निवासी अलीगंज एटा, मनोज पुत्र नरेश कुमार निवासी कुदरकोट विधूना इटावा और लक्ष्मी देवी पत्नी जितेंद्र निवासी रतनपुरा रसूलाबाद कानपुर देहात भी चोटिल हुए हैं। घायलों को एंबुलेंस से एसएन मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया है।

घायल यात्रियों के परिजन ने आरोप लगाया कि चालक नशे में था और तेज रफ्तार से बस दौड़ा रहा था। कई बार रोकने के लिए कहा, लेकिन उसने बात नहीं मानी। इसके चलते यह हादसा हुआ। पुलिस ने बस को सड़क से हटवाकर यातायात बहाल कराया और चालक के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। वहीं अन्य यात्रियों को दूसरे बस से उनके गंतव्य स्थान पर भेजा गया।

रेलवे ट्रैक पर मिली बहनों की लाश

आगरा। फिरोजाबाद के शिकोहाबाद में किसी बात से नाराज होकर दो चचेरी बहनों ने एक–दूसरे का हाथ थामे ट्रेन के आगे आकर जान दे दी। लोको पायलट हॉर्न बजाता रहा, लेकिन बहनों ने एक–दूसरे का साथ नहीं छोड़ा। ट्रेन से टकराते ही दोनों बहनों की जान चली गई। इस घटना के बाद मौके पर पहुंची जीआरपी ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा है।

थाना मक्खनपुर क्षेत्र के गांव जेवड़ा में रहने वाली दो चचेरी बहनें रश्मि यादव (18) कक्षा 12 वीं की छात्रा थी। मुस्कान (17) गांव के ही एक स्कूल में कक्षा 11 वीं की छात्रा थी। दोनों बहनें मंगलवार सुबह 10:30 बजे घर से किसी बात से नाराज होकर निकल गई। दोनों के बीच कुछ इस तरह का गहरा नाता था कि वे एक–दूसरे का हाथ थामे रेलवे ट्रैक पर चलती चली जा रही थीं। उस दौरान कालका से हावड़ा जा रही 12312 नेताजी एक्सप्रेस ट्रैक पर आ रही थी।

ट्रेन के लोको पायलट को रेलवे ट्रैक के बीचोंबीच दो लड़कियां एक–दूसरे का हाथ थामे हुए दिखाई दीं।

यह देखकर लोको पायलट के भी होश उड़ गए। उसने काफी दूर से ट्रेन का हॉर्न बजाना शुरू कर दिया। कई बार हॉर्न बजाने के बाद भी दोनों बहनें ट्रैक से नहीं हटीं। ट्रेन जैसे ही डाउन ट्रैक पर किमी संख्या 1222/12–10 के समीप पहुंची। तभी दोनों बहनें एक–दूसरे का हाथ थामे हुए ट्रेन से टकरा गईं। ट्रेन से टकराते ही दोनों की मौत हो गई।

लोको पायलट ने घटना की सूचना तत्काल ही मुख्य नियंत्रण कक्ष टूंडला को दी। सूचना मिलने पर आरपीएफ–जीआरपी की टीम मौके पर पहुंच गई। घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों की भीड़ भी जुट गई। जीआरपी ने मृतका रश्मि यादव के भाई मोहित यादव से पूछताछ करने के बाद शवों की शिनाख्त की। शिनाख्त करने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

जीआरपी शिकोहाबाद चौकी प्रभारी हरीश कुमार यादव ने बताया कि दोनों बहनें घर से किसी बात से नाराज होकर निकली थीं। जिसके बाद उनकी ट्रेन की चपेट में आने से मौत हुई है। यही सूचना ट्रेन के लोको पायलट ने वरिष्ठ रेल अधिकारियों को भी दी थी। लोको पायलट का कहना है कि दोनों एक दूसरे का हाथ थामकर रेलवे ट्रैक पर खड़ी थीं।

गंगा की धारा का जारी कहर..40 से अधिक गांव में घुसा पानी

आगरा। कासगंज में

उफनाई गंगा की धारा लगातार बाढ़ प्रभावित इलाकों में कहर बरपा रही है। पिछले तीन दिनों से लगातार बाढ़ का कहर जारी है। सोमवार की रात नीबिया और पनसोती के पूर्वी हिस्से का कच्चा मनरेगा बांध भी गंगा की तीव्र धारा से कट गया। 40 से अधिक गांव की आबादी में पानी भरा हुआ है। वहीं, खेतों में कई फुट बाढ़ का पानी भरा हुआ है। बाढ़ के पानी से लगातार सड़क मार्ग भी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं और कटान का शिकार हो रहे हैं। मंगलवार को बरबारा में भी सड़क कट गई। गंगा के तटीय इलाके के गावों में जनजीवन अस्त व्यस्त बना हुआ है।

पहाड़ों और मैदानी इलाकों में हुई लगातार बारिश से हरिद्वार के भीमगोड़ा बैराज, बिजनौर के मध्यगंगा बैराज एवं नरौरा के चौधरी चरणसिंह बैराज से हाईफ्लड लेवल का प्रवाह लगातार बना रहा। इससे जिले में गंगा हाईफ्लड लेवल को पार कर गई। मंगलवार की शाम तक गंगा का जलस्तर हाईफ्लड लेवल के पार था।

सदर तहसील क्षेत्र के सोरोंजी इलाके के कई गांव गंगा की बाढ़ की चपेट में रहे। वहीं, उढ़ेर व दतलाना बांध पर पानी का दबाव लगातार बढ़ता रहा।

बाढ़ का सर्वाधिक पटियाली इलाके के मूंजखेड़ा, नगला हंसी,

नगला जयकिशन, राजेपुर कुर्रा, नगला तरसी, नगला खंदारी, नेथरा, इंद्राजसनपुर, मेहोला, नवाबगंज नगरिया, टिकुरी गठौरा, कुसौल, जिझोल, पनसोती, अलीपुर भकुरी, रिकहरा, गठैरा, निरदौली पुख्ता सहित आस पास के ग्रामीण इलाकों में है।

वहीं सहावर के अजीतनगर, उलाई, रफातपुर, सहवाजपुर, बमनपुरा, चकरा, नगला ढाव, नगला चोखे सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में पानी भरा हुआ है। जहां गांव की आबादी में कई कई फुट पानी है। तमाम स्थानों पर लोगों ने ऊंचाई के स्थानों पर डेरा जमा लिया है। वहीं, तमाम परिवार सड़कों की ओर पहुंच गए हैं। बाढ़ से खेतीबाड़ी को काफी नुकसान है।

सहावर पटियाली व सदर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इलाकों में 5 हजार हेक्टेयर से अधिक फसलों में बाढ़ का पानी भरा होने का अनुमान लगाया जा रहा है। किसानों के खेतों में इस समय मक्का, बाजरा, धान, ईख, अरबी सहित अन्य फसलें हैं। ग्रामीणों के सामने काफी दिक्कतें हो गई हैं। उन्हें बाढ़ उतरने के बाद ही समस्या से छुटकारा मिल सकेगा। अभी गंगा का प्रवाह तेज होने के कारण बाढ़ के प्रभाव से जल्द राहत मिलने की उम्मीद नजर नहीं आ रही।

लहरा में गंगा का बढ़ा जल स्तर लहरा और उसके आसपास के गांवों में तबाही मचाए हुए है। लहरा में कई जगह अपने घरों में लोग ताला लगाकर सुरक्षित स्थानों की ओर चले गए हैं। कुछ स्थानों पर लोग अपने घर के आगे भरे पानी को देखकर असहाय हैं। किसानों के घरों के आगे रखे कृषि यंत्र पानी में डूब गए हैं। अपने पशु लोगों ने खुले छोड़ दिए हैं जिससे वे सड़कों पर झुंड के रूप में घूमते नजर आ रहे हैं। पाठकपुर गऊपुरा मार्ग पर चेलारी के निकट कटी सड़क से बने खंदी में ग्रामीण कूदकर स्नान का लुत्फ उठा रहे हैं।

कादरवाडी, पिलोसराय, कुबेर नगरी, भीलौर, बघेला, दतलाना, कर्नलगंज, कढेरी ग्रामों में घुसने के बाद आज बाढ़ का पानी ठठेरपुर ग्राम में भी घुस गया। खेतों में लबालब पानी भर जाने से किसानों की मक्का की फसल सड़ गई है वहीं धान की फसल भी नष्ट होने के कगार पर पहुंच गई है। लहरा की सभी धर्मशालाओं व बाढ़ प्रभावित ग्रामों के स्कूलों में पानी भर जाने से बच्चों की शिक्षा चौपट हो गई है, वहीं धर्मशालाओं व गंगा किनारे रह रहे गरीब व संत महात्माओं को भी पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा है।

प्रयागराज में भागीरथ सहयोग सेवा संस्थान ने दिया प्रकृति संरक्षण का जनसंदेश

भागीरथ सहयोग सेवा संस्थान द्वारा माधव ज्ञान केंद्र नैनी प्रयागराज में पर्यावरण संगोष्ठी, वृक्षारोपण और वृद्ध सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में विशिष्ट महानुभावों का आगमन हुआ जिनमें श्रीमंत यमुना पुरी जी महाराज ने संस्थान के द्वारा किया जा रहा पर्यावरण और मानवता के प्रति कार्यों की सराहना की

और उपस्थित बच्चों को पर्यावरण और संस्कारों के बारे में अवगत कराये।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी जी ने क्षिति जल पावक गगन समीरा पंच रचित अति अधम शरीरा। हमारा शरीर इन्हीं से मिलकर बना है अगर यही नष्ट हो जाएंगे तो हम जीवित नहीं रह पाएंगे ऐसा उन्होंने कहा।

अनूप शुक्ला डिप्टी कमांडेंट बीएसएफ ने कहा जैसे हम लोग सीमाओं पर रक्षा करते हैं वैसे ही आप सब यहां पर पर्यावरण और मानवता की रक्षा करें उन्होंने संस्थान के संस्थापक राष्ट्रीय सचिव अवनीश सिंह चंदेल के कार्यों की सराहना करते हुए युवाओं को उनके कार्यों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

राजेंद्र मिश्रा जी पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा प्रयागराज महानगर ने संस्थान के प्रति संगम पर साफ सफाई और महाकुंभ में किए गए कार्यों के प्रति सराहना की।

मेजर कलसी के डायरेक्टर सौरभ सिंह ने युवाओं में जोश भरते हुए कहा कि पर्यावरण ही हमारा जीवन है।

कार्यक्रम में मेधावियों, पुलिस विभाग, यातायात विभाग, पत्रकार बंधुओं एवं समाजसेवियों और शिक्षकों का सम्मान हुआ। और पर्यावरण संरक्षण एवं मानवता के प्रति समर्पण आदि विषयों पर गंभीर चर्चा हुई।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रधानाचार्य अजय मिश्रा, संस्थान के संस्थापक राष्ट्रीय सचिव अवनीश सिंह चंदेल अधिवक्ता हाई कोर्ट हरदेव सिंह, प्रदेश संयोजक राजन महुआ, मृदुल बाजपेई, प्रदेश अध्यक्ष अवनीश मौर्य प्रदेश प्रवक्ता अवनीश पांडे, शिवराज सिंह ,अंकित सिंह आदि की उपस्थिति रही।

चार बच्चों की मां ने खाया जहर

आगरा। एटा के अलीगंज थाना क्षेत्र के हत्सारी गांव की एक विवाहिता ने शराबी पति की प्रताड़ना से तंग आकर विषाक्त खा लिया, जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। ससुराल वाले उसे इलाज के लिए एटा मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। यहां से उसे आगरा रेफर कर दिया गया। निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके बाद ससुराल वाले लाश को छोड़कर भाग निकले।

बदायूं के रहने वाले सुरेश ने बताया कि 10 वर्ष पूर्व बेटी कविता की शादी अलीगंज थाना क्षेत्र के हत्सारी गांव निवासी सुजीत के साथ की थी। सुनीता के चार बच्चें एक बेटा और तीन बेटियां हैं। उन्होंने बताया कि सुजीत को शराब पीने की ऐसी लत पड़ गई कि उसने बच्चों पर ध्यान देना छोड़ दिया। सुजीत कोई काम नहीं करता है। उसने सुनीता का उत्पीड़न शुरू कर दिया। हद तो तब हो गई, जब शराब पीकर वो सुनीता के साथ मारपीट करने लगा। मृतका के पिता ने बताया कि दामाद सुजीत को कई बार समझाया, लेकिन वो अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। उन दोनों के बीच शराब को लेकर झगड़ा हुआ। इस बीच क्या हुआ कुछ भी स्पष्ट जानकारी नहीं है। उन्हें बेटी के बीमार होने की सूचना मिली थी। वे जब अस्पताल पहुंचे, तो बेटी की लाश मिली। ससुराल वाले भी वहां से भाग निकले।

मामले की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी अलीगंज निर्दोष सिंह सेंगर ने बताया कि विवाहिता द्वारा विषाक्त का सेवन करने की जानकारी मिली थी। उसे घरवालों ने आगरा के निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया था। वहां उपचार के दौरान सुनीता ने दम तोड़ दिया।

शोकेस डिप्लोमेसी में नहीं फंसते मोदी, सबसे मित्रता, किसी पर निर्भरता नहीं के सिद्धांत से भारत हुआ मजबूत

रूस–यूक्रेन युद्ध के बीच, भारत की विदेश नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीतिक सूझबूझ एक बार फिर वैश्विक सुर्खियों में है। दरअसल गत सप्ताह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से तथा इस सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदमीर जेलेंस्की से अलग–अलग वार्ताएं कीं और यह सब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पुतिन की अलास्का में होने वाली बैठक से ठीक पहले हुआ। मोदी–पुतिन बातचीत ऐसे समय में हुई जब अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक तनाव चरम पर था। ट्रंप ने भारतीय उत्पादों पर 25: और फिर 50: तक टैरिफ बढ़ाने की घोषणा की थी, साथ ही भारत–रूस ऊर्जा और रक्षा सौदों की वह खुली आलोचना कर रहे थे।

पुतिन से फोन पर बातचीत में मोदी ने न केवल यूक्रेन युद्ध पर नवीनतम स्थिति जानी, बल्कि दोनों देशों के षविशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारीष को और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इसमें व्यापार, निवेश, रक्षा–तकनीकी सहयोग, नागरिक विमानन और रासायनिक उद्योग तक पर चर्चा हुई। इस वार्ता के जरिये भारत ने अमेरिका को साफ संदेश दिया कि ऊर्जा स्रोतों का चयन बाजार और वैश्विक परिस्थितियों के आधार

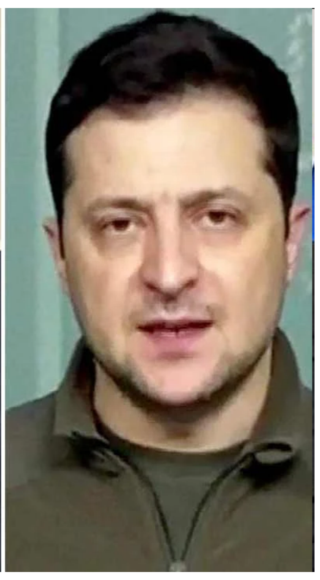

पर होता है और रक्षा सौदे राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकताओं से तय होते हैं। यह मोदी की उस कूटनीति का उदाहरण है जिसमें वे अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद सामरिक स्वतंत्रता बनाए रखते हैं।

वहीं जेलेंस्की से वार्ता में मोदी ने भारत के षस्थिर और निरंतरष रुख को दोहराया कि युद्ध का समाधान केवल राजनीतिक और कूटनीतिक मार्ग से ही संभव है। दूसरी ओर, जेलेंस्की ने रूस के ऊर्जा निर्यात, खासकर तेल को सीमित करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि युद्ध के लिए उसकी वित्तीय क्षमता घटे। यूक्रेन की ओर से यह भी संकेत दिया गया कि मोदी संयुक्त राष्ट्र महासभा (न्छळ।) सत्र के दौरान न्यूयॉर्क में जेलेंस्की से व्यक्तिगत मुलाकात कर सकते हैं। हालांकि भारत ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

हम आपको बता दें कि भारत, चीन की तरह, अब तक रूस की आलोचना से बचा है और मानता है कि किसी भी शांति पहल में दोनों पक्षों को शामिल करना जरूरी है। यह संतुलन बनाए रखना, मोदी की कूटनीति की खासियत है। मोदी की कूटनीति है– न तो रूस से रिश्ते कमजोर करना, न ही यूक्रेन को पूरी तरह नजरअंदाज करना। यह स्थिति निश्चित रूप से यह संकेत देती है कि रूस और यूक्रेन, दोनों ही भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक ऐसे नेता के रूप में देखते हैं जिनके पास संवाद और मध्यस्थता की क्षमता है, भले ही भारत औपचारिक रूप से "मध्यस्थ" की भूमिका में न हो।

हम आपको बता दें कि भारत ने शुरू से ही रूस–यूक्रेन युद्ध पर एक संतुलित रुख अपनाया है, न तो रूस की निंदा की है और न ही युद्ध को वैध ठहराया है। इस कारण, नई दिल्ली दोनों पक्षों के साथ विश्वास का रिश्ता बनाए रखने में सफल रही है। पुतिन और जेलेंस्की का मोदी से अलग–अलग फोन पर बात करना यह दर्शाता है कि वह अपनी–अपनी स्थिति भारत के सामने स्पष्ट करना चाहते हैं, ताकि अलास्का में ट्रंप–पुतिन मुलाकात से पहले भारत का दृष्टिकोण और समर्थन उन्हें मिले।

मोदी की कूटनीति की खासियत है कि वे "सभी से मित्रता, किसी पर निर्भरता नहीं" के सिद्धांत पर चलते हैं। भारत की ऊर्जा जरूरतें रूस से जुड़ी हैं, जबकि पश्चिमी देशों और अमेरिका के साथ भी भारत के रणनीतिक और आर्थिक हित हैं। ऐसे में, भारत किसी भी एक खेमे में जाने की बजाय "विश्वसनीय संवादकर्ता" की भूमिका निभा सकता है। देखा जाये तो अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अक्सर ऐसे "विश्वसनीय, तटस्थ और सम्मानित" नेताओं की जरूरत होती है जो विवादित पक्षों से बिना पूर्वाग्रह के बात कर सकें। पुतिन और जेलेंस्की का मोदी से संपर्क यही दर्शाता है कि भारत को वह ऐसे ही नेता के रूप में देखते हैं। देखा जाये तो भले ही भारत सार्वजनिक रूप से मध्यस्थता का दावा न करे, लेकिन यह स्पष्ट है कि वैश्विक स्तर पर विशेषकर रूस–यूक्रेन संकट में भारत की "शांत कूटनीति" को गंभीरता से लिया जा रहा है। यह मोदी की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा और भारत की बढ़ती कूटनीतिक ताकत का प्रमाण है।

दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप हाल के महीनों में खुद को ष्वैश्विक शांति निर्माताष के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैंकृ चाहे आर्मेनिया–अजरबैजान समझौता हो या पुतिन–जेलेंस्की की संभावित मुलाकात। जून महीने में ट्रंप ने मोदी से भी अनुरोध किया था कि वह कनाडा से लौटते समय अमेरिका में ठहरें। यह निमंत्रण पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर की व्हाइट हाउस यात्रा के एक दिन पहले दिया गया था। भारतीय कूटनीतिक हलकों को आशंका थी कि ट्रंप, मोदी और मुनीर को एक ही फ्रेम में लाने की कोशिश करेंगे, जिससे भारत–पाकिस्तान को एक साथ जोड़ने का गलत संदेश जाएगा। इसलिए मोदी ने ट्रंप के निमंत्रण को विनम्रता से ठुकरा दिया था।

बहरहाल, पुतिन और जेलेंस्की से मोदी की वार्ताएं और ट्रंप के अमेरिका आने के प्रस्ताव को अस्वीकार करने का निर्णय, दर्शाते हैं कि भारत आज बहुपक्षीय कूटनीति का कुशल खिलाड़ी है। मोदी की शैली न तो तात्कालिक दबाव में झुकती है और न ही अवसरवादी 'शोकेस डिप्लोमेसी' में फंसती है। इसकी बजाय, वह भारत को एक ऐसे जिम्मेदार और संतुलित शक्ति केंद्र के रूप में प्रस्तुत करते हैं जो युद्ध और शांति, दोनों में अपनी स्वतंत्र और प्रभावशाली भूमिका निभा सकता है।

सम्पादकीय

निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता को सीधी चुनौती

एक स्वस्थ और सजग लोकतंत्र के लिए सबसे जरूरी है देश के निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता, विश्वसनीयता और सर्वग्राह्यता। आयोग राजनीतिक दलों की तरह एक पक्ष नहीं, बल्कि सभी पक्षों से ऊपर होता है। लेकिन राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों के बाद ऐसा माहौल बन गया है कि इस विवाद में दो पक्ष बन गए हैं, जिनमें एक पक्ष निर्वाचन आयोग और सत्ताधारी प्रतिष्ठान तो दूसरा पक्ष समूचा विपक्ष नजर आ रहा है।

हालांकि, आयोग की निष्पक्षता पर सवाल पहले भी उठते रहे हैं और आयोग के फैसलों को अदालत में चुनौतियां दी जाती रही हैं, लेकिन दो संघर्षरत पक्षों में एक जगह निर्वाचन आयोग भी नजर आ रहा है। इतिहास में अब तक ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति पहले कभी नहीं आई। भारतीय लोकतंत्र की नींव में चुनाव आयोग (ईसीआई) एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो अनुच्छेद 324 के तहत संवैधानिक रूप से स्वतंत्र संस्था के रूप में स्थापित है।

इसका प्रमुख दायित्व निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करना है, जो विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की वैधता को बनाए रखता है। हाल के वर्षों में, विशेष रूप से 2024 लोकसभा चुनावों के बाद, ईसीआई की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठे हैं।

विपक्षी नेताओं, खासकर राहुल गांधी, के आरोपों जिनमें मतदाता सूचियों में हेरफेर और सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलीभगत शामिल है ने ईसीआई की छवि को धूमिल किया है। यह लेख इन तथ्यों के आलोक में ईसीआई की स्थिति का निष्पक्ष विश्लेषण प्रस्तुत करता है, जहां एक ओर आरोपों की गंभीरता है, वहीं ईसीआई की प्रतिक्रिया और संस्थागत मजबूती भी।

साथ ही, हम यह भी जांचेंगे कि क्या विश्वास का यह संकट लोकतंत्र के लिए खतरा है और चुनाव सुधारों की आवश्यकता ईसीआई की स्वतंत्रता से कैसे जुड़ी है।

निर्वाचन आयोग की स्थापना 25 जनवरी, 1950 को हुई थी, और यह भारत में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और स्थानीय निकायों के चुनावों का संचालन करता है। संवैधानिक रूप से यह एक स्वायत्त निकाय है, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और दो अन्य चुनाव आयुक्त शामिल हैं।

इनकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है, लेकिन हाल ही में लागू चीफ इलेक्शन कमिश्नर एंड अदर इलेक्शन कमिश्नर्स एक्ट, 2023 के तहत एक चयन समितिकृजिसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और एक केंद्रीय मंत्री शामिल हैंकृ इसकी सिफारिश करती है।

ऐतिहासिक रूप से,निर्वाचन आयोग की छवि लगभग मजबूत और निष्पक्ष रही है। अस्सी के दशक में बहुचर्चित गढ़वाल चुनाव में तत्कालीन निर्वाचन आयुक्त एस एल सकधर ने एक सहसाहसिक निर्णय लेते हुए इंदिरा गांधी सरकार की परवाह न करते हुए हेमवती नंदन बहुगुणा की शिकायत पर चुनाव रद्द कर दिया था।

1990 के दशक में टी.एन. शेषन जैसे मुख्य चुनाव आयुक्तों ने आयोग को सशक्त और स्वतंत्र बनाया। शेषन ने मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट को कड़ाई से लागू किया, राजनीतिक दलों पर अंकुश लगाया और मतदाता सूची की शुद्धता के लिए कदम उठाए।

हालांकि, हाल के दशकों में ईसीआई की निष्पक्षता पर सवाल बढ़े हैं। खासकर, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में विपक्ष ने आयोग पर पक्षपात और सरकारी दबाव में काम करने के आरोप लगाए। आलोचकों का कहना है कि नियुक्ति प्रक्रिया का सरकार–प्रधान होना और पारदर्शिता की कमी ईसीआई की स्वतंत्रता को कमजोर करती है। फिर भी, ईसीआई ने बार–बार दावा किया है कि वह किसी भी राजनीतिक प्रभाव से मुक्त है और केवल संवैधानिक दायित्वों का पालन करती है।

2024 के लोकसभा चुनावों के बाद, राहुल गांधी ने ष्वोट चोरीष के आरोपों के साथ एक अभियान शुरू किया, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र, हरियाणा और अन्य राज्यों में मतदाता सूचियों में कथित तौर पर करोड़ों फर्जी मतदाताओं के होने का दावा किया। गांधी ने ईसीआई को ष्भाजपा का सहयोगीष करार दिया और कहा कि 2024 के चुनावों में मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर हेरफेर हुआ।

उनके द्वारा जारी एक वीडियो में डेटा एनालिटिक्स के आधार पर दावा किया गया कि लाखों मतदाता या तो सूचियों से हटाए गए या अनधिकृत रूप से जोड़े गए। इन आरोपों ने जनता और राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया उत्पन्न की।

आयोग ने इन आरोपों को ष्बकवासष और ष्अबसर्ड एनालिसिसष कहकर खारिज किया। आयोग ने गांधी से या तो सबूत पेश करने या माफी मांगने की मांग की। साथ ही, आयोग ने मतदाता सूचियों की शुद्धता के लिए अपनी प्रक्रियाओं का हवाला दिया, जिसमें मतदाता सूची संशोधन और ऑनलाइन सत्यापन शामिल हैं। द हिंदू और इंडियन एक्सप्रेस जैसे समाचार पत्रों ने इस विवाद को षविश्वास का संकटष करार दिया, जिसमें कहा गया कि भले ही ईसीआई की तकनीकी प्रक्रियाएं मजबूत हों, जनता का भरोसा डगमगा रहा है।

यह संकट इसलिए गंभीर है, क्योंकि लोकतंत्र में चुनावी संस्था की विश्वसनीयता ही उसकी वैधता का आधार है। अगर जनता चुनावों को निष्पक्ष नहीं मानती, तो मतदान दर में कमी, राजनीतिक अस्थिरता और सामाजिक असंतोष बढ़ सकता है। भाजपा ने इन आरोपों को षविपक्ष का हताशा भरा कदमष करार दिया और कहा कि बिना ठोस सबूतों के ये दावे केवल राजनीतिक नौटंकी हैं।

आखिरकार दगाबाज चीन पर भरोसा करके फिर चोट खाने के रिस्क क्यों उठा रहे हैं भारत के प्रधानमंत्री मोदी?

जब भी हमारे देश का कोई प्रधानमंत्री चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे शत्रु देशों से वैश्विक कूटनीति के नाम पर प्रेम और भरोसे के पींगे बढ़ाना चाहता है, या फिर नेपाल, श्रीलंका, मालदीव, म्यांमार या तिब्बतियों पर भारतीयों की गाढ़ी कमाई लुटाता है तो मेरे मन में एक ही सवाल पैदा होता है कि हमारे इन नेताओं को इतिहास का ज्ञान नहीं है, या फिर भौगोलिक सच्चाई से ये नादान हैं। क्या इन्हें उन वीर जवानों और साम्प्रदायिक दंगा, आतंकवाद, नक्सलवाद, संगठित अपराध की भेंट चढ़े आमलोगों व सुरक्षा कर्मियों के चेहरे याद नहीं आते, उनकी विधवाओं और बच्चों, वृद्ध माता पिता आदि की याद नहीं आती, जिनकी असमय मौत का एकमात्र कारण चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश या इनका रिंग मास्टर अमेरिका की विध्वंसक नीतियां रही हैं।

मसलन, यहां पर सवाल भूमि के किसी कब्जाए हुए टुकड़े या सांप्रदायिक मिजाज पर वर्चस्व की मानसिकता का नहीं है, बल्कि उन दुर्भाग्यपूर्ण राजनीतिक–प्रशासनिक फैसलों से जुड़ा हुआ है जिसकी कीमत हमारे वीर जवानों और आम आदमियों को चुकानी पड़ती है। जैसा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी बाजपेयी ने कहा था कि हम इतिहास बदल सकते हैं, लेकिन भूगोल नहीं, के बारे में सिर्फ इतनी सी दलील देना चाहूंगा कि आप इतिहास और भूगोल को यथावत रहने दीजिए, बस अपने राजनीति विज्ञान के विषय वस्तु बदल दीजिए।

आपको पता होना चाहिए कि राजनीति विज्ञान परिवर्तन शील होता है, इसलिए इसे हमारे वीर जवानों और आम आदमियों के अनुकूल बना दीजिए। आपको भी इस बात का आभास होगा कि हमारे दलित–पिछड़े लोग इन सूक्ष्म प्रशासनिक बारीकियों को नहीं समझ पाते हैं, इसलिए इस अहम बदलाव के लिए किसी जनादेश का इंतजार मत कीजिए, बल्कि अपनी अंतरआत्मा से फैसले लीजिए। यह बात मैं इसलिए उठा रहा हूँ कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए इस महीने के आखिर में चीन जा सकते हैं। यह सम्मेलन 31 अगस्त और 1 सितंबर को चीन के उत्तरी शहर तियानजिन में होना है।

सवाल है कि ऐसा अप्रत्याशित कदम वह तब उठा रहे हैं, जब अमेरिका–चीन प्रेरित हिन्दू विरोधी पाकिस्तानी आतंकवादी पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर से मिले जख्मों को ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, जबकि साल 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प के बाद यह मोदी की पहली चीन यात्रा होगी। वह इससे पहले 2018 में चीन गए थे।

सीधा सवाल है कि जब प्रधानमंत्री मोदी गलवान सैन्य झड़प से इतने व्यथित थे कि लगातार पांच सालों तक चीन नहीं गए तो अब फिर पहलगाम कांड के तुरंत बाद ऐसा क्यों कर रहे हैं? क्या आपकी अंतरात्मा अब मर चुकी है या फिर अप्रत्याशित अमेरिकी धोखे मिलने के बाद अगले चीनी धोखे खाने की बुनियाद रखने को लालायित मालूम पड़ते हैं! क्या आपको नहीं पता कि जवाहरलाल नेहरू और नरेंद्र मोदी की सद्भावना को मुंह को मुंह चिढ़ाने वाला चीन कभी भी भारत का सगा नहीं हो सकता।

सुलगता सवाल है कि वर्ष1962 से साल 2020 तक जब चीन की फितरत नहीं बदली तो आगे फिर किस नीतिगत करिश्मे की उम्मीद आपको है। क्या वह डोकलाम झड़प विस्मृत कर चुके हैं? क्या वह तवांग दंश भूल चुके हैं? क्या बोमडिला उन्हें याद नहीं? क्या आपकी इस यात्रा से लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक की उसकी क्षुद्र मानसिकता बदल जाएगी? क्या भारत को उसके ही पड़ोसियों द्वारा घेरने की उसकी फितरत बदल जाएगी?

यहां पर मैं यह समझ सकता हूँ कि हमारे कतिपय असरदार पर गद्दार नेताओं–अधिकारियों–उद्योगपतियों की तिकड़ी ने क्षणिक लाभवश अदूरदर्शिता दिखाते हुए अमेरिकी दबाव में भारतीय अर्थव्यवस्था को चीनी अर्थव्यवस्था पर निर्भर बना दिया। लेकिन इसी दिक्कत को दूर करने के लिये ही तो यूपीए के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को 10 वर्षों के बाद सत्ता से बाहर करते हुए एनडीए के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को केंद्रीय सत्ता सौंपी गई। आप पिछले 11 वर्षों से सत्ता में हैं, लेकिन यह समझने में असमर्थ प्रतीत हो रहे हैं कि रूसी दबाव में चीनी मित्रता का प्रयास अपने ही पैर में कुल्हाड़ी मारने जैसा मूर्खता भरा कदम साबित होगा। यह जान लीजिए कि इतिहास खुद को दोहराता है और आप इससे बच नहीं सकते।

मेरी स्पष्ट राय है कि अमेरिका से तल्खी के बीच चीन–ईरान से बढ़ रही नजदीकी कदापि भारत के पक्ष में नहीं होगी। खबर है कि पीएम नरेन्द्र मोदी एससीओ लीडर्स समिट में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात कर सकते हैं। वहीं इस दौरान वो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी द्विपक्षीय मुलाकात कर सकते है। वहीं, चीन यात्रा से एक दिन पहले पीएम का जापान जाने का भी कार्यक्रम है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इन दोनों ही यात्राओं को लेकर फिलहाल कोई औपचारिक बयान नहीं दिया है। लेकिन बीते कुछ वक्त से भारत और चीन के संबंध सामान्य होने की दिशा में है।

बीते महीने विदेश मंत्री एस जयशंकर चीन की यात्रा पर थे। उन्होंने राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ मुलाकात में इस बात का जिक्र किया था कि किस तरह से पीएम मोदी और चिनफिंग के निर्देशन से द्विपक्षीय संबंधों को सकारात्मक दिशा मिली है। उसी चीन यात्रा के लिए ग्राउंड वर्क तैयार रहा करने के लिहाज से अहम थी। इससे पहले जून महीने में ही राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और रक्षा मंत्री राजनाथ भी चीन का दौरा किया था।

सवाल है कि इतने तल्खी भरे रिश्ते के बावजूद भी दोनों देश कैसे करीब आए तो जवाब होगा कि पिछले वर्ष रूस में मोदी–जिनपिंग की हुई मुलाकात के बाद द्विपक्षीय रिश्तों की बर्फ ही नहीं पिघली, बल्कि पहलगाम आतंकी हमला और ऑपरेशन सिंदूर जैसा तात्कालिक जख्म भी मिला, जिससे अमेरिका–चीन दोनों बेनकाब हुए। इससे पहले बंगलादेश से भारत समर्थक शेख हसीना की सरकार का तख्ता पलट किया गया। भारत ने यहां भी आत्मघाती चुप्पी साधी, जिससे अमेरिका–चीन के हौसले बढ़े।

यह ठीक है कि गत 23 जुलाई को पांच साल के अंतराल के बाद भारत ने चीन के लिए टूरिस्ट वीजा की बहाली की। वहीं, इस साल की शुरुआत में कैलाश मानसरोवर पर सहमति बनने के बाद 26 अप्रैल को इसके शेड्यूल की घोषणा हुई। वहीं, अब सीधी फ्लाइट्स की बहाली को लेकर भी सकारात्मक चर्चा चल रही है।

इन परिस्थितियों में हमारी स्पष्ट सोच है कि अमेरिका, रूस, चीन को बातचीत के टेबल पर स्पष्ट कर दिया जाए कि आसेतु हिमालय के भारत के पड़ोसी देशों, अरब देशों, आशियान देशों में कोई भी भारत विरोधी कदम बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, क्योंकि भारत गुटनिरपेक्ष देश ही नहीं बल्कि ग्लोबल साउथ का अगुवा राष्ट्र भी है। यदि चीन सहमत हैं तो प्रेम के पींगे बढ़ाइए, अन्यथा फुलस्टॉप लगा दीजिए। ऐसा करना ही हमारे लिए आर्थिक और सैन्य दृष्टि से श्रेयस्कर होगा। इससे भारत–चीन की ब्रेक के बाद होने वाली लड़ाई भी थम जाएगी।

सुख कोई गंतव्य नहीं बल्कि एक यात्रा है

सुख की खोज में हमें बाहर की ओर नहीं, बल्कि अपने भीतर

देखना होगा। हमारे भीतर वह बीज है, जो करुणा, शिष्टाचार और बुद्धिमत्ता को जन्म देता है। सुख तब खिलता है, जब हम इन गुणों को पोषित करते हैं। मानव स्वभाव की अच्छाई पानी के नीचे की ओर बहने की तरह है।

जैसे पानी स्वाभाविक रूप से अपनी राह बनाता है, वैसे ही हमारा हृदय सही मार्ग पर चलने को तैयार है, बशर्ते हम उसे बाहरी विकर्षणों से बचाएं। सुख आत्म–चिंतन से शुरू होता है। अपने मन को शांत करें और पूछें कि मैं कौन हूं? मेरे कार्य दूसरों को कैसे प्रभावित करते हैं? अगर दूसरे लोग आपके प्यार का जवाब प्यार से नहीं देते, तो अपनी उदारता पर गौर कीजिए।

दूसरे शब्दों में, जब भी आप अपने उद्देश्य में असफल हों, तो अपने अंदर झांकिए। जब आप अपने व्यक्तित्व में सही होंगे, तो साम्राज्य आपकी ओर मुड़ेगा। आत्म–चिंतन वह दर्पण है, जो हमें हमारी आत्मा की गहराइयों को दिखाता है। जब हम अपने विचारों और भावनाओं को समझ लेते हैं, तो हम अपने कार्यों को नैतिकता से जोड़ सकते हैं। यही जुड़ाव सुख का आधार है। अपने दिन का मूल्यांकन करें कि क्या मैंने करुणा दिखाई, क्या मैंने अपने कर्तव्यों का पालन किया? यह आत्म–निरीक्षण हमें शांति देगा।

सामाजिक समरसता सुख का दूसरा स्तंभ है। हम अकेले नहीं हैं, हम एक परिवार, एक समुदाय, एक समाज का हिस्सा हैं। करुणा वह हृदय है, जो सभी मनुष्यों में होता है। जब आप किसी को दुख में देखते हैं, तो आपका हृदय स्वाभाविक रूप से उसकी मदद करने को प्रेरित होता है। इस करुणा को दबाएं मत। दूसरों के लिए दयालु बनें। जब हम दूसरों के लिए अच्छा करते हैं, तो हमारा हृदय आनंद से भर जाता है। जो लोग दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करते हैं, वे स्वयं के साथ भी अच्छा व्यवहार करते हैं।

समाज में सामंजस्य तब बनता है, जब प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्तव्य को समझता है। एक शासक को न्यायपूर्ण होना चाहिए, एक पिता को दयालु, और एक पुत्र को सम्मान देने वाला। जब सभी अपनी भूमिकाएं निष्ठा से निभाते हैं, तो समाज एक सुंदर संगीत की तरह बजता है, और इस सामंजस्य में सुख स्वाभाविक रूप से उभरता है। भौतिक धन और शक्ति की लालसा सुख के शत्रु हैं। जो लोग केवल धन या प्रसिद्धि के पीछे भागते हैं, वे कभी संतुष्ट नहीं होते।

जो अपनी इच्छाओं को नियंत्रित करता है, वह सुखी जीवन जीता है। सादगी में शक्ति है। अपने पास जो है, उसमें संतोष करें। साधारण भोजन, प्रियजनों का साथ और शांत मन, ये सुख के सच्चे स्रोत हैं। सुखी जीवन जीने के लिए अपने हृदय में करुणा, कार्यों में धार्मिकता और समुदाय में शांति लाना आवश्यक है।

सुख कोई गंतव्य नहीं है, बल्कि एक यात्रा है। प्रत्येक दिन एक अवसर है, बेहतर बनने का। अपनी गलतियों से सीखें, दूसरों की भलाई के लिए कार्य करें, और अपने हृदय को शुद्ध रखें। अपने हृदय की सुनें, क्योंकि यह हमें सही मार्ग दिखाएगा। जो अपने हृदय को पोषित करता है, वह सुख को पाता है। आत्म–चिंतन और सामाजिक समरसता के माध्यम से, हम एक पूर्ण और आनंदमय जीवन जी सकते हैं।

अपने कर्तव्य को समझें

अक्सर हम अपनी गलती को दूसरे के हिस्से में डाल देते हैं। ऐसा करके एक पल के लिए हम खुद को बचा लेते हैं, लेकिन यही विचार हमें जीवन में असफल कर देता है। अपने भीतर हर पल झांकिए, और स्वयं को एक नया और सुंदर रूप दीजिए। अपने प्रत्येक दिन का मूल्यांकन करें। इस तरह अपने कर्तव्य को समझें।

स्नान करते समय इंस्पेक्टर का बेटा गंगा में डूबा

प्रयागराज। दिल्ली पब्लिक स्कूल के सामने फतेहपुर में तैनात इंस्पेक्टर का बेटा स्नान के दौरान गंगा में समा गया। वह सोमवार की सुबह कार से चार दोस्तों के साथ वहां पहुंचा था। गोताखोर और एनडीआरएफ की टीम उसे खोजने में लगी है।

नैनी कोतवाली क्षेत्र के खरकौनी मुहल्ले के निवासी रविंद्र कुमार सिंह फतेहपुर में इंस्पेक्टर हैं। उनका 24 वर्षीय बेटा अंशुमान सिंह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। सोमवार सुबह वह अपने चार दोस्तों के साथ बाढ़ देखने के लिए दिल्ली पब्लिक स्कूल के समीप पहुंचा था।

देखते ही देखते सभी पानी में उतरकर स्नान करने लगे। इस दौरान अंशुमान गहरे पानी में समा गया। दोस्तों ने उसको बचाने के लिए शोर मचाया, लेकिन कोई मौके पर नहीं पहुंचा। घटना की जानकारी लेते हुए नई इंस्पेक्टर बृज किशोर गौतम एसीपी अरुण कुमार त्रिपाठी समेत एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई। गोताखोर को भी पानी में उतरा गया। काफी मशक्कत के बाद भी अभी तक उसका सुराग नहीं लगा है।

राजकीय इंटर कॉलेजों में प्रवक्ता के 1516 पदों पर होगी भर्ती

प्रयागराज। राजकीय इंटर कॉलेजों में प्रवक्ता के 1516 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन 12 अगस्त से शुरू होंगे। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने सोमवार रात प्रवक्ता भर्ती का संक्षिप्त विज्ञापन जारी कर दिया। अभ्यर्थियों को पांच साल से नई भर्ती का इंतजार था। इससे पहले दिसंबर–2020 में इस भर्ती का विज्ञापन आया था।

परीक्षा का विस्तृत विज्ञापन मंगलवार को यूपीपीएससी की वेबसाइट https://uppsc-up-nic-in पर जारी किया जाएगा। जिसमें ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया, शुल्क जमा करने की प्रक्रिया, परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम, जाति प्रमाणपत्रों का प्रोफार्मा, आरक्षण एवं आयु में छूट के संबंध में निध ारित महत्वपूर्ण निर्देश आदि उपलब्ध रहेंगे।

ऑनलाइन परीक्षा शुल्क बैंक में जमा करने व ऑनलाइन आवेदन स्वीकार करने की अंतिम तिथि 12 सितंबर और आवेदन में सुधारध्संशोधन एवं शुल्क समाधान की अंतिम तिथि 19 सितंबर निर्धारित की गई है।

आयोग की ओर से अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि ऑनलाइन आवेदन शुरू होने से पहले वन टाइम रजिस्टेशन (ओटीआर) नंबर प्राप्त कर लें क्योंकि ओटीआर आधारित ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे।

प्रवक्ता के 1516 पदों में राजकीय इंटर कॉलेज में पुरुष वर्ग के 777 व महिला वर्ग के 694 पदों के साथ स्पर्श दृष्टिबाधि त राजकीय इंटर कॉलेजध्समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय में प्रवक्ता के 43 एवं उत्तर प्रदेश जेल प्रशिक्षण विद्यालय (अध यापक वर्ग) सेवा में प्राध्यापक के दो पद भी शामिल हैं। शैक्षिक अर्हताओं को विवरण विस्तृत विज्ञापन में उपलब्ध रहेगा।

चयन के लिए अभ्यर्थियों को एक जुलाई 2025 को 21 वर्ष की आयु अवश्य पूरी करनी चाहिए और उन्हें 40 वर्ष से अधिक आयु का नहीं होना चाहिए यानी उनका जन्म दो जुलाई 1985 से पूर्व और एक जुलाई 2004 के बाद का नहीं होना चाहिए। दिव्यांगों के लिए अधिकतम आयु सीमा में नियमानुसार छूट अनुमन्य होगी।

एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती के लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) की प्रक्रिया काफी तेज हो गई है। भर्ती का संक्षिप्त विज्ञापन जारी होने के बाद 27 दिनों में ओटीआर करने वाले नए अभ्यर्थियों की संख्या पांच लाख से ऊपर पहुंच गई है। एलटी ग्रेड के लिए आवेदन करने वालों में से ज्यादातर अभ्यर्थी प्रवक्ता भर्ती के लिए भी आवेदन करेंगे क्योंकि नई नियमावली के अनुसार इस बार दोनों भर्तियों के लिए शैक्षिक अर्हताएं एक समान होंगी। अब तक 26,82,355 अभ्यर्थी ओटीआर के माध्यम से आयोग की परीक्षाओं से जुड़ चुके हैं।

श्री बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन पूजन शुरू

प्रयागराज। संगम तट पर स्थित श्री बड़े हनुमानजी मंदिर में दर्शन पूजन सोमवार को दोपहर बाद से शुरू हो गया। मंदिर के पट दर्शनार्थियों के लिए खोल दिए गए। मां गंगा के प्रस्थान करने के बाद महंत बलवीर गिरी महाराज ने षोडशोपचार विधि

ा से हनुमानजी की पूजन कर आरती उतारी। इसके बाद दर्शन पूजन शुरू हो गया। इस साल सावन में हनुमानजी ने तीन बार अमृत स्नान किया। तीसरी बार 29 जुलाई नाग पचमी को गंगा जी ने मंदिर में प्रवेश किया था। इस बार 14 दिन हनुमानजी जल शयन में रहे।

महाकुंभ में अखाड़ों के अमृत स्नान की तरह हनुमानजी ने भी तीन बार अमृत स्नान किया। मंदिर के महंत बलवीर गिरि जी महाराज ने बताया कि यह पहला मौका है जब मां गांगा ने सावन महीने में ही तीन बार बजरंग बली को स्नान कराया है।

कक्षा 4 की छात्रा को कार सवारों ने किया अगवा

प्रयागराज। कोरांव बाजार में सोमवार को दोपहर 1 बजे के करीब कार सवार अज्ञात लोगों के द्वारा एक दिल दहला देने वाली वारदात को अंजाम दिया गया। जिससे बाजार में जहां अफरा तफरी मच गई, वहीं काफी देर के लिए हंगामा भी खड़ा हो गया। मामला यह था कि कोरांव बाजार के गांधीनगर मोहल्ले की सौम्या बिंद पुत्री राममिलन बिंद, जो गोपाल विद्यालय इंग्लिश मीडियम स्कूल कोरांव में कक्षा 4 की छात्रा है। वह विद्यालय बंद होने के बाद पैदल अपने घर जा रही थी कि कार सवार कुछ अज्ञात लोगों ने कोरांव बाजार के मेन चौराहे के पास से उसे जबरन अगवा कर कार की डिग्गी में भर दिया।

हालांकि बाजार में जाम भी लगा हुआ था। जैसे ही कोरांव चौराहे से गाड़ी मांडा वाली रोड पर मुड़ी कार जाम में फंस गई। अगवा करने वाले लोगों ने कार के डिग्गी का गेट तो बंद किया लेकिन वह अच्छे से बंद नहीं हो पाया। कक्षा 4 की छात्रा सौम्या बिंद की जूती डिग्गी के गेट से आधा बाहर था। जब उसको बाहर से अंदर हवा आना महसूस हुआ तो वह दोनों पैर से डिग्गी का गेट उठाया और वह खुद कार से स्कूल बैग सहित कूद कर अपनी जान बचाई। चौराहे पर मौजूद रहे लोगों से छात्रा ने रोते हुए खुद बताया कि मुझे कार सवार लोगों ने जबरन कार की डिग्गी में भर दिया।

बच्चों को खेलने के बहाने बाहर भेजा, फिर पत्नी को गला काटकर मार डाला

पत्नी-पत्नी के बीच घरेलू कलह थी। इसके चलते दोनों के बीच अक्सर मारपीट होती थी। सोमवार को भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद फूलचंद्र ने पत्नी की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। बेटे की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।- सत्येंद्र कुमार तिवारी, सीओ सिराथू

प्रयागराज। कौशांबी के कोखराज थाना क्षेत्र के नौढ़िया गांव में एक मजदूर ने पत्नी की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। आरोपी उसके चरित्र पर शक किया करता था। वारदात से पहले उसने बच्चों को खेलने के लिए घर से बाहर भेज दिया था। मामले में बेटे की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी फरार है।

नौढिध्या गांव निवासी फूलचंद्र के मझले बेटे दीपू (15) ने बताया कि पिता इतना शक करते थे कि मां फूलमती (45) को घर से बाहर नहीं निकलने देते थे। घर के पास से पानी लाने का काम भी उसके भाई–बहन ही करते थे। वह अक्सर मां के साथ मारपीट करते थे।

सोमवार की शाम करीब चार बजे फूलचंद्र पत्नी से विवाद करने लगा। इस दौरान उसने बच्चों को घर से बाहर खेलने के लिए भेज दिया। इसके बाद फूलमती को एक कमरे में बंद कर चाकू से गर्दन रेतकर मार डाला और कमरे को बाहर से बंदकर भाग गया।

थोड़ी देर बाद जब दीपू ने कमरा खोला तो मां फूलमती का खून से लथपथ शव देकर शोर मचाने लगा। शोरगुल सुनकर जुटे लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फरार फूलचंद की तलाश की जा रही है। मृतका के तीन पुत्र व दो पुत्रियां हैं। बेटे दीपू की तहरीर पर फूलचंद्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

इलेक्ट्रॉनिक गोदाम में लगी आग भीषण आग, महिला बुजुर्ग समेत तीन फंसे

प्रयागराज। रामबाग के बैंक ऑफ बड़ौदा की बिल्डिंग में बेसमेंट स्थित इलेक्ट्रॉनिक गोदाम में सोमवार सुबह आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि पहली मंजिल पर रहने वाली बुजुर्ग मकान मालकिन समेत तीन लोग फंस गए। सूचना पर पहुंची अग्निशमन की टीम ने भीतर फंसे हुए लोगों को सीढिध्यों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला। लेकिन तब तक लाखों के इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर राख हो गया। हादसे में किसी की जनहानि नहीं हुई।

रामबाग में संगम स्काई के नाम से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का गोदाम है। इसी बिल्डिंग में बैंक ऑफ बड़ौदा और पहली मंजिल पर मकान मालिक रहते हैं। दोपहर करीब 11रू40 बजे बेसमेंट पर बने गोदाम में अचानक आग लग गई। आग की लपट इतनी अधिक थी कि धुंआ बिल्डिंग के पहली मंजिल तक चला गया। इस दौरान घर में मकान मालकिन सविता रानी अग्रवाल (75), नौकरानी ज्ञानेश्वरी (45) और चंदन (45) फंस गए। सीढिध्यों पर पूरा धुआं हुआ था।

सूचना पर एफएसओ राजेश कुमार नैनी व सिविल लाइंस फायर स्टेशन से पांच दमकल गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। पहली मंजिल से चीख–पुकार मच रही थी। बिल्डिंग के मुख्य सीढिध्यों से अंदर जाने का रास्ता नहीं था। अधिक धुआं होने के चलते टीम ने बाहर से लोहे की सीढ़ी लगाकर सभी को सुरक्षित कमरे से बाहर निकाला। वहीं, करीब दो घंटे बाद आग पर काबू पाया गया। आग में लाइट, तार समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जल गए। वहीं, एफएसओ राजेश कुमार ने बताया कि हादसे किसी को जनहानि नहीं हुई है। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

दूसरी तरफ पुराना कटरा कचहरी रोड स्थित जगन्नाथ मंदिर के सामने प्रेमदीप इंटरप्राइजेज की दुकान पर रविवार देर–रात 12रू40 बजे आग लग गई। दुकान से धुआं उठते देख मामले की जानकारी मालिक और अग्निशमन विभाग को दी गई। दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची और शटर को तोड़कर करीब एक घंटे में आग पर काबू पाया। अधिवक्ता एसके जायसवाल ने बताया कि यह दुकान उनके छोटे भाई रविंद्र कुमार जायसवाल की है। रोजाना की तरह रविवार रात 10रू15 बजे दुकान बंद कर घर चले गए। करीब ढाई घंटे बाद पड़ोसियों ने फोन पर बताया कि दुकान पर आग लगी है। आग में लाखों रुपये के कपड़े जलकर राख हो गए हैं। प्रत्यक्षदर्शी मनीष ने बताया कि अगर दुकान के ऊपर लगे पर्दे व पन्नी नहीं हटाए जाते तो कई दुकान आग की चपेट में आकर जल सकती थी।

मलखानपुर से निकलकर सुदनीपुर गांव में पहुंचा तेंदुआ, बकरी के बच्चे पर बोला हमला

प्रयागराज। सरायइनायत थाना क्षेत्र में आदमखोर तेंदुआ दहशत का पर्याय बन गया है। मलखानपुर धनैचा में सर्च आपरेशन चलने के बाद तेंदुआ भागकर पड़ोस के गांव सुदनीपुर में पहुंच गया है। यहां पर उसने बकरी के एक बच्चे का शिकार करने का प्रयास किया। हालांकि ग्रामीणों के शोर मचाने पर वह भाग निकला। इसके बाद गांव में दहशत फैल गई है। वन विभाग के लोग सर्च आपरेशन में जुट गए हैं। ग्रामीणों के मुताबिक तेंदुआ एक झाड़ी में छिपकर बैठा है।

आदमखोर तेंदुआ मलखानपुर धनैचा गांव में शनिवार को एक बाजरे के खेत में घुस गया था। वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों की मदद से खेत को घेरकर जाल लगा दिया था। तेंदुआ गांव के राजेंद्र प्रसाद को घायल करते हुए जाल के ऊपर से भागकर निकल गया और दूसरे खेत में छिप गया। वन विभाग की टीम देखती रह गई। तेंदुआ को पकड़ने के लिए कानपुर ट्रैंकुलाइजर विशेषज्ञ को भी बुलाया गया है।

वह जेसीबी पर सवार होकर सर्च आपरेशन कर रहे हैं, लेकिन तेंदुआ का कहीं पता नहीं चल सका है। धनैचा गांव से निकलकर तेंदुआ रात में पड़ोस गांव सुदनीपुर में पहुंच गया है। इससे कई गांवों में दहशत का माहौल है। लोग अंधेरा होने के बाद घर से निकलने से कतरा रहे हैं। वन विभाग की ओर से ग्रामीणों के लिए अलर्ट भी जारी किया गया है।

चौकी गए युवक को कॉलर पकड़कर दरोगा ने पीटा

प्रयागराज। पूरामुफ्ती में बमरौली चौकी के सामने दरोगा का युवक को पीटने का वीडियो रविवार को वायरल हुआ। वीडियो में वह गालीगलौज भी करते नजर आ रहे हैं। मामला संज्ञान में आने पर अफसरों ने दरोगा को लाइन हाजिर कर दिया है। हालांकि, इस वीडियो की अमर उजाला पुष्टि नहीं करता है।

28 सेकंड का यह वीडियो बमरौली पुलिस चौकी के सामने का है। वीडियो शुरू होते ही इसमें एक युवक यह कहता सुनाई पड़ता है कि यहां कोई सुनवाई नहीं होती। अगले ही पल उसका साथी भी यह कहता है कि यहां कुछ नहीं होगा, पहले इलाज कराओ और फिर देखते हैं। इतना कहकर वह जाने लगता है। इसी दौरान एक दरोगा उसे रोकते हुए कुछ बात करने की कोशिश करता है। इस पर एक युवक यह कहता है कि वह लोग इलाज कराने जा रहे हैं। उन्हें कोई पत्र नहीं देना है।

इस पर दरोगा आक्रोशित हो उठता है और गालियां देने लगता है।

साथ ही युवक को पीटना शुरू कर देता है। यही नहीं, कॉलर पकड़कर चौकी के भीतर घसीटकर ले जाता भी दिखाई देता है। वहीं, इसके साथ ही एक और वीडियो वायरल हुआ। इसमें दिख रहा युवक यह दावा करता है कि वह भगवतपुर पजावा का रहने वाला है। उसके साथ ही चौकी के बाहर दरोगा ने मारपीट की। वह यह भी बताता है कि मारपीट में चोटिल होने के बाद वह अपने साथी को लेकर चौकी पर पहुंचा था और कार्रवाई की गुहार लगाई। वहां तहरीर बदलने का दबाव बनाया गया। इन्कार करने पर उसे पीटा गया। चाबी के छल्ले से मारा गया जिससे उसकी आंख चोटिल हो गई।

वहीं, दरोगा रोहित मिश्रा का कहना है कि दो पक्ष चौकी पर मारपीट कर रहे थे। रोकने पर अभद्रता की जिस पर एक युवक को चौकी में बैठाया गया था। उसकी तहरीर पर दूसरे पक्ष पर मुकदमा भी लिखा जा चुका है।

अलोपीबाग फ्लाईओवर के नीचे नाले में बालू की बोरियां छोड़ने से डूबा शहर

प्रयागराज। दो दिन पूर्व 50 एमएम से अधिक बारिश में शहर डूबने–उतराने लगा। शहरवासी त्राहि–त्राहि करने लगे। शनिवार को भी कई प्रमुख मार्गों और मोहल्लों में जलभराव से लोगों को निजात नहीं मिल सकी है। इस पर जब चौतरफा सवाल उठे तो निगम अधिकारी लोनिवि को जिम्मेदार बता रहे हैं। उनका कहना है कि महाकुंभ के दौरान लोनिवि ने अलोपीबाग फ्लाईओवर का कार्य कराया था। उस दौरान फ्लाईओवर के नीचे नाले में बालू की बोरियां वैसे ही छोड़ दी गई थीं जो अल्लापुर, जार्जटाउन, सोहबतियाबाग सहित आसपास के इलाकों में जलभराव का कारण बना। सवाल यह है कि जब लोनिवि ने नाले में बालू की बोरियां छोड़ दी थीं तो बरसात से पहले निगम ने नाले की सफाई क्यों नहीं कराई।महाकुंभ के पहले लोक निर्माण विभाग ने अलोपीबाग फ्लाईओवर का निर्माण कराया था। इस दौरान पिलर को बांधने के लिए बालू की बोरियां भरकर नालों में रखीं गईं थीं, जिसे कार्य खत्म होने के बाद हटाया नहीं गया। ऐसे में जब झमाझम बारिश हुई तो पूरे शहर में जगह– जगह जलभराव हो गया। लोगों के घरों में गंदा पानी चला गया। नगर निगम पर नालों की सफाई नहीं कराए जाने के आरोप भी लगे।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी पोस्ट कर सफाई व्यवस्था पर सवाल उठाए। हरकत में आए नगर निगम के अधिकारियों ने जब जलनिकासी के लिए सफाई अभियान चलाया तो पता चला कि फ्लाईओवर के नीचे बोरियों में बालू भरकर रखे जाने से पानी का बहाव बाधित है। इस कारण जलभराव की समस्या गंभीर हो गई। इसे लेकर शनिवार को नगर निगम के अधिकारियों के साथ पार्षद आशीष द्विवेदी, शिव सेवक सिंह सहित अन्य पार्षदों ने बैठक भी की। दिन भर मशक्कत के बाद नगर निगम द्वारा सफाई कराई गई, जिसके बाद जार्ज टाउन इलाके सहित आसपास के क्षेत्रों का पानी तेजी से निकल सका। जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए बाढ़ की वजह से बंद मोरिक गेट भी खुलवाया गया। सवाल यह है कि फ्लाईओवर का निर्माण हुए आठ माह बीत गए, लेकिन न तो लोक निर्माण विभाग ने इसकी चिंता की और न ही नगर निगम ने शहर को जलभराव से मुक्ति दिलाने को लेकर पहले से नालों की सफाई व्यवस्था देखी। नतीजा शहर की बड़ी आबादी को जलभराव से फजीहत झेलनी पड़ी।

लगातार गैरहाजिर कर्मचारियों को डीएम ने दी प्रतिकूल प्रविष्टि

प्रतापगढ। विकास भवन का औचक निरीक्षण करने पहुंचे डीएम शिव सहाय अवस्थी को देख अधिकारियों और कर्मचारियों के पसीने छूट गए। दुकानों पर चाय पी रहे कर्मचारी भाग कर कार्यालय पहुंच गए। डीएम ने सीडीओ डॉ. दिव्या मिश्रा के साथ अलग–अलग कार्यालयों का निरीक्षण करते हुए उपस्थिति पंजिका की जांच की।

डीएम ने पहली बार बिना बताए अनुपस्थित मिले कर्मचारियों को लिखित चेतावनी देकर छोड़ दिया। वहीं, देर से आए कर्मचारियों का अल्प अवकाश स्वीकृत किया। निरीक्षण के दौरान लगातार अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि दी। बिना किसी सूचना के गायब रहने वाले कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने का आदेश डीएम ने दिया।

डीएम ने डीपीआरओ कार्यालय में निलंबित सफाईकर्मी की पत्रावली का अवलोकन किया। अन्य पत्रावलियों में लंबित कार्रवाई मिलने पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताते हुए लिपिक कौशल श्रीवास्तव के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने का आदेश डीपीआरओ श्रीकांत दर्वे को दिया। प्रधानों की शिकायत रजिस्टर का अवलोकन भी डीएम ने किया।

नगर पंचायत में विधवा और वृद्धा पेंशन का नहीं हो रहा ऑनलाइन आवेदन

प्रतापगढ। नगर पंचायत रानीगंज का सृजन हुए लगभग आठ साल का समय बीत गया है, मगर अभी तक ऑनलाइन पोर्टल पर वार्डों का नाम अंकित नहीं हो पाया है। इससे वृद्धा और विधवा पेंशन के आवेदकों का ऑनलाइन आवेदन नहीं हो पा रहा है। लोगों को मजबूर होकर ऑफलाइन आवेदन करना पड़ता है। नगर पंचायत रानीगंज का सृजन वर्ष 2017 में हुआ था। नगर पंचायत में कुल 16 वार्ड हैं। ग्राम पंचायत से नगर पंचायत में शामिल हुए रस्तीपुर, टोडर पट्टी, पूरे भागी, भागीपुर, बरहदा सहित 16 वार्डों के लाभार्थियों को ऑफलाइन आवेदन करके भटकना पड़ रहा है। संडिला वार्ड के पूर्व प्रधान अशोक कुमार मौर्य, रूपीपुर वार्ड के विकास कुमार, पूरेगोलिया वार्ड के सुनील कुमार, भागीपुर वार्ड के अमरनाथ पेंशन का फॉर्म लेकर कर्मचारियों को खोजते फिर रहे हैं। ईओ महेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि कई बार लिखा पढ़ी की गई, मगर अभी ऑनलाइन पोर्टल पर वार्डों का नाम नहीं आया है।

खाद वितरण में लापरवाही पर नोटिस, लाइसेंस निरस्त

प्रतापगढ। कृषि विभाग की टीम लगातार उर्वरक प्रतिष्ठानों की जांचकर कार्रवाई कर रही है। मंगलवार को जिला कृषि अधिकारी अशोक कुमार टीम के साथ रानीगंज कैथोला बाजार पहुंचे। दिनेश त्रिपाठी और संतोष केसरवानी के प्रतिष्ठान पर बिना खतौनी के खाद का वितरण किया जा रहा था। किसानों के मोबाइल नंबर भी रजिस्टर पर अंकित नहीं किए जा रहे थे। प्रतिष्ठान संचालकों को कारण बताओ नोटिस थमाया है। भटनी बाजार स्थित पुत्तीलाल और केदार मौर्या के प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया। खतौनी के अनुसार वितरण न मिलने पर नोटिस देकर जवाब मांगा है। बिहार बाजार स्थित प्रमोद कुमार, राजेश कुमार के उर्वरक प्रतिष्ठान में वितरण संबंधी अभिलेख नहीं मिले तो उनके प्रतिष्ठान का लाइसेंस निरस्त कर दिया।

मेडिकल कॉलेज की जांच करने पहुंची टीम को बदहाल मिलीं सुविधाएं

प्रतापगढ।डॉ. सोनेलाल पटेल स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय की जांच करने मंगलवार को लखनऊ से स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची। तमाम तैयारियों के बावजूद टीम को सफाई व्यवस्था बेहतर नहीं मिली। मरीजों को मिलने वाली सुविधाएं भी ठीक नहीं थीं, जिस पर टीम ने नाराजगी जताई।

लखनऊ केजीएमयू सर्जरी ऑनकोलॉजी विभाग के आचार्य डॉ. समीर गुप्ता और हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन विभाग के अपर आचार्य डॉ. नितिन दत्त भारद्वाज पूरे केशवराय स्थित महाविद्यालय पहुंचे। वहां विद्यार्थियों के पठन पाठन से संबंधित जानकारी जुटाई। विद्यार्थियों से भी सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

दोपहर करीब साढ़े बारह बजे टीम मेडिकल कॉलेज के राजा प्रताप बहादुर चिकित्सालय पहुंची। यहां सीएमएस शैलेंद्र कुशवाहा से बातचीत के बाद ओपीडी, दवा काउंटर, पर्चा काउंटर देखा। मरीजों की भारी भीड़ देख पर्चा काउंटर बढ़ाने की बात कही। निरीक्षण के दौरान टीम सफाई व्यवस्था से संतुष्ट नजर नहीं आई। मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली।

वाहनों की भीड़ देख हैरत जताया। स्टैंड के बारे में जानकारी ली। शाम करीब छह बजे टीम लखनऊ के लिए रवाना हुई। उनके जाने के बाद विभागीय अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

भाकियू कार्यकर्ताओं से वार्ता करने के लिए पहुंचीं एसडीएम

पुवायां। भाकियू चढ़ूनी गुट की ओर से 28 जुलाई से मंडी परिसर में चल रहा धरना प्रदर्शन सोमवार को भूख हड़ताल में बदल गया तो मंगलवार को एसडीएम चित्रा निर्वाल वार्ता करने के लिए मौके पर पहुंचीं। वार्ता में किसानों ने सिर्फ आश्वासन पर विरोध प्रदर्शन समाप्त करने से इन्कार कर दिया और समाधान होने पर ही हड़ताल समाप्त करने की बात कही।

भाकियू चढ़ूनी गुट के तहसील अध्यक्ष संजय मिश्रा ने एसडीएम से वार्ता करते हुए कहा कि 24 सूत्री मांगों को लेकर 27 जून को ज्ञापन दिया गया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो सकी। इसके बाद नौ जुलाई को सीओ कार्यालय पर धरना दिया गया तो 27 जुलाई तक समस्याओं का समाधान कराने का आश्वासन दिया गया।

फिर भी कोई कार्रवाई नहीं होने पर 28 जुलाई से शांतिपूर्ण ढंग से मंडी परिसर में धरना दिया जा रहा है लेकिन किसी अधिकारी ने मौके पर आने की जरूरत नहीं समझी। 11 अगस्त से पांच कार्यकर्ता भूख हड़ताल पर भी बैठ गए हैं। अब आश्वासन से काम नहीं चलेगा। काफी देर चली वार्ता के दौरान कोई हल नहीं निकल सका तो कार्यकर्ताओं ने 14 अगस्त को धरनास्थल पर एसडीएम का प्रतीकात्मक रूप से पुतला दहन करने के लिए डीएम को संबोधित ज्ञापन एसडीएम कार्यालय में जाकर दे दिया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि तहसील के अधिकारी उनकी समस्याओं का निस्तारण करने के संबंध में ध्यान नहीं दे रहे हैं। अगर जल्द ही समाधान नहीं किया गया तो वे लोग आंदोलन तेज करने के लिए बाध्य होंगे। वार्ता के दौरान सीओ प्रवीण मलिक, खंड विकास अधिकारी आरपी राना, थाना प्रभारी रवि करन सिंह मौजूद रहे।

त्योहार के बाद लौटने वाले यात्रियों के कारण भीड़ प्रबंधन फेल

शाहजहांपुर। रक्षाबंधन के बाद लोग और कामगार लौटने शुरू हो गए हैं। रोडवेज का किराया महंगा होने के चलते ट्रेनों में काफी भीड़ उमड़ने से रेलवे का भीड़ प्रबंधन पटरी से उतर गया। रात में मुख्य गेट पर यात्री लेटकर जगह घेर लेते हैं। ऐसे में हादसा होने का डर बना रहता है।

रोडवेज की बसों में मुफ्त सफर खत्म होने के बाद रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ उमड़ने लगी है। सोमवार की रात करीब साढ़े नौ बजे टिकट काउंटर पर यात्रियों की लंबी लाइन लगी थी। यहां पर सुरक्षाकर्मी नदारद थे। इसके चलते जल्द टिकट पाने के लिए यात्रियों में हाथापाई की नौबत तक आ गई।

किसी तरह समझाकर शांत किया गया। इसी तरह प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की खूब भीड़ थी। जगह नहीं बचने पर लोगों ने मुख्य निकासी गेट तक पर कब्जा जमा लिया। कुछ दिन पहले दिल्ली में हादसा होने पर अफसरों ने मुख्य गेट पर लोगों को नहीं बैठने देने के निर्देश दिए थे। उसके बावजूद जिम्मेदार मुंह मोड़े रहे। रात में प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर ट्रेन आने पर सीट घेरने को लेकर मारा–मारी रही। इसी तरह मंगलवार को जननायक एक्सप्रेस में काफी भीड़ रही।

अवैध वेंडरों की भरमार, आरपीएफ मेहरबान

रेलवे के दस्तावेजों में 80 से 85 वेंडर ही पंजीकृत हैं, लेकिन सौ से डेढ़ सौ वेंडर खान–पान की सामग्री बेच रहे हैं। नियम के अनुसार, पंजीकृत वेंडर अपने स्टॉल से सामग्री की बिक्री करेंगे। लेकिन, वे ट्रेन के अंदर और प्लेटफॉर्म से बिक्री करते हैं। रेलवे के स्थानीय अधिकारी आरपीएफ का सहयोग नहीं मिलने के कारण अवैध वेंडरों पर कार्रवाई करने से कतराते हैं। स्थानीय आरपीएफ के कार्रवाई नहीं करने पर गत दिनों कमांडेंट उत्कर्ष नारायण ने खुद कार्रवाई करते हुए सुपरफास्ट ट्रेन को रोककर वेंडरों को पकड़ा था। हालत यह है कि प्लेटफॉर्म पर पानी के बूथों के नीचे वेंडर खान–पान की सामग्री रख लेते हैं, लेकिन आरपीएफ के जवान कार्रवाई नहीं करते हैं। ऐसे में उनकी भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

रोजा में रैक प्वाइंट पर लगा जाम

शाहजहांपुर संवाददाता। रोजा के साइडिंग एरिया में बने रैक प्वाइंट पर मंगलवार सुबह रैक लगने के दौरान जाम लग गया। सूचना पर सुबह 10 बजे पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद जाम को खुलवाया।

शाम चार बजे पुलिसकर्मियों के हटते ही वाहन चालकों ने फिर जाम लगा दिया। शाम करीब छह बजे यातायात की स्थिति सामान्य हो सकी। रोजा के जमुका मार्ग पर साइडिंग एरिया में रैक प्वाइंट बना हुआ है। मंगलवार को प्लेटफार्म नंबर एक पर गेहूं को लोड करने और तीन नंबर पर सीमेंट उतारने और चार नंबर पर चावल उतारने के लिए रेलवे की रैक लगी थी। इसके बाद सड़क पर जाम लग गया। बाद में किसी तरह जाम खुला। शाम चार बजे फिर से जाम लग गया।

खराब रैंकिंग आने के कारण सहायक निदेशक मत्स्य को प्रतिकूल प्रविष्टि

शाहजहांपुर। सीएम डैशबोर्ड पर प्राप्त ग्रेड एवं रैंकिंग की मंगलवार शाम को डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने विकास भवन सभागार में समीक्षा की। मत्स्य विभाग में मत्स्य संपदा योजना से संबंधित प्राप्त आवेदन लंबित होने के कारण शून्य अंक प्राप्त होने पर डीएम ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सहायक निदेशक मत्स्य संजीव कुमार को प्रतिकूल प्रविष्टि दी है।

डीएम ने सभी योजनाओं की एवं निर्माण कार्यों के प्राप्तांक की जानकारी ली। उन्होंने सीएम डैशबोर्ड की प्रगति रिपोर्ट में खराब श्रेणी प्रदर्शित करने वाले इंडिकेटर में रहने वाले विभागों व कार्यों से संबंधित विभागाध्यक्षों को गुणवत्ता में सुधार लाने के निर्देश दिए हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) एवं फैमिली आईडी की प्रगति और रैंक कम होने पर डीएम ने एनआरएलएम में अधिक से अधिक ऋण संबंधी आवेदनों पर बैंकों से समन्वय बनाकर स्वीकृत एवं वितरित करने के निर्देश दिए।

ब्लॉक मिर्जापुर एवं कलान की फैमिली आईडी बनने में सबसे कम प्रगति पर नाराजगी जताई। उन्होंने खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्कूलों में रोपे गए हरिशंकरी पौधों पर 16 अगस्त तक शत–प्रतिशत ट्री गार्ड लगाए जाएं और उन पर बच्चों की नेम प्लेट लगाई जाए।

किराना व्यापारी के घर से लाखों की चोरी

कलान। कलान थाना क्षेत्र के मोहल्ला गंगानगर निवासी किराना व्यापारी संजीत गुप्ता के घर से डेढ़ लाख नकद समेत करीब दस लाख रुपये के जेवर चोरी हो गए। पुलिस ने पहुंचकर जांच की है।

संजीत गुप्ता ने पुलिस को बताया कि वह नीचे और बेटा अभिषेक व पुत्रवधू शालिनी दूसरी मंजिल पर सो रहे थे। बेटे की रात में आंख खुली तो उसने देखा कि सेफ खुली है। अंदाजा है कि सोमवार रात करीब डेढ़ बजे चोर घर में घुसे और करीब डेढ़ लाख रुपये नकद और जेवर चोरी कर ले गए।

पीड़ित के मुताबिक, लगभग दस लाख रुपये का जेवर चोरी हुआ है। संजीत गुप्ता ने बताया कि उसने बैंक से मकान पर 9.50 लाख का ऋण भी लिया था। इससे जेवर भी बनवाया था। डेढ़ लाख रुपये नकदी बची थी। वह सब चोर ले गए हैं। सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर जांच की। प्रभारी निरीक्षक प्रभाष चंद ने बताया कि घटना संदिग्ध प्रतीत हो रही है। मामले की जांच की जा रही है।

दो माह चलेगा एचआईवी के खिलाफ जागरूकता अभियान

शाहजहांपुर। 12 अक्तूबर तक एचआईवी और एड्स के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। खासतौर पर युवाओं को जागरूक किया जाएगा। इसके संबंध में मंगलवार को एडीएम वित्त एवं राजस्व की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा पर विचार–विमर्श किया गया।

एचआईवी–एड्स से बचाव और नियंत्रण के लिए युवाओं के साथ आमजन को जागरूक करने के लिए सघन जागरूकता अभियान की समन्वय बैठक में एडीएम वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार ने कहा कि सभी बीडीओ–एडीओ डोर–टू–डोर जाकर अभियान का प्रचार–प्रसार करें।

अभियान का उद्देश्य एचआईवी के फैलने के कारण तथा उससे जुड़े जोखिम के संबंध में जागरूकता लाना है। जिले में एचआईवी संक्रमित एवं प्रभावित व्यक्तियों के साथ हो रहे भेदभाव को कम किया जा सकेगा तथा उनके जीवन में गुणवत्तापूर्ण सुधार लाया जाएगा।

एडीएम ने अभियान की सफलता के लिए जिले के सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर जागरूकता से संबंधित विभिन्न गतिविधियों को करने के लिए कहा। अभियान के तहत जिले की कम से कम 150 ग्राम पंचायतों में स्वास्थ्यकर्मी खुली बैठक आयोजित कर लोगों को एचआईवी–एड्स के खिलाफ जागरूक करेंगे।

जिले के दस महाविद्यालयों में छात्र–छात्राओं को जागरूक किया जाएगा। इसके अलावा भीड़भाड़ वाले स्थानों जैसे रेलवे स्टेशन, रोडवेज बस स्टैंड वगैरह में भी जागरूकता कार्यक्रम होंगे। जागरूकता रैली निकाली जाएगी। इसके अलावा जिला कारागार, नशा मुक्ति केंद्र में स्वास्थ्यकर्मी लोगों को जागरूक करेंगे।

बैठक के दौरान बीएसए दिव्या गुप्ता, सीएमएस डॉ. नैपाल सिंह, टीआई से प्रोजेक्ट मैनेजर मो. खालिद, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. ओमेंद्र राठौर, दिशा क्लस्टर से प्रेमचंद शर्मा आदि मौजूद रहे।

राज्यस्तरीय निगरानी समिति के सदस्य ने योजनाओं की समीक्षा की

शाहजहांपुर। राज्य स्तरीय निगरानी समिति के सदस्य धीरेंद्र कुमार वाल्मीकि ने योजनाओं के संबंध में सिंचाई विभाग गेस्ट हाउस में बैठक ली। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत बने शौचालयों, उज्ज्वला योजना, विद्युत सौभाग्य योजना, ज्योति बीमा स्वास्थ्य योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, स्ट्रीट लाइट, लगाए गए हैंडपंप आदि विकास कार्यों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

उन्होंने निर्देश दिए कि सफाई कर्मचारियों को मास्क, ग्लव्स, आयुष्मान कार्ड, बीमा, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, अंत्योदय राशन कार्ड एवं समय से वेतन सहित संसाधन एवं सुविधाएं मिलनी चाहिए। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत चयनित 175 गांव के विकास कार्यों के संबंध में विभागों से जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छकार समाज के साथ भेदभाव न हो। इस दौरान एडीएम एफआर अरविंद कुमार, डीडीओ ऋषि पाल सिंह, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी बीके साहू आदि अधिकारी मौजूद रहे।

नव आगंतुक निर्देशन कार्यक्रम का आयोजन

शाहजहांपुर। स्वामी शुकदेवानंद विधि महाविद्यालय में नव–आगंतुक विद्यार्थी निर्देशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता करते हुए मुख्य अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने विधि छात्रों से कहा कि संविधान और कानून के जानकारी प्राप्त कर राष्ट्र के एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित कार्यकर्ता बनकर लोक जीवन में अनुशासित होकर कार्य करें।

मुख्य वक्ता प्रो. डॉ. अमित सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में विधि पाठ्यक्रम में विधि के सभी नवीन संशोधन को शामिल करते हुए नवीन पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। मुख्य अतिथि दिनेश कुमार सिंह ने विधि विद्यार्थियों को निरंतर पढ़ने, लिखने, बोलने और समूह चर्चा का अभ्यास करने की नसीहत दी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ओम प्रकाश मिश्रा, डॉ. विकेश त्रिपाठी, डॉ. अवनीश मिश्रा, प्राचार्य डॉ. जयशंकर ओझा आदि मौजूद रहे।

पियर लर्निंग से स्कूलों को निपुण बनाने का लक्ष्य

शाहजहांपुर। परिषदीय विद्यालयों में पियर लर्निंग की व्यवस्था को शुरू कर निपुण बनाने का लक्ष्य रखा गया है। डीएम के निर्देश के बाद प्रत्येक स्कूल में दो विद्यार्थियों का जोड़ा बनाकर उन्हें एक–दूसरे से सीखने की कवायद की जाएगी। इसके लिए स्कूलों में नोडल शिक्षक नियुक्त कर दिए गए हैं।

डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर प्रत्येक विद्यालय में पियर लर्निंग को शुरू कराया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक कक्षा में एक होनहार व दूसरे कमजोर छात्र को मिलाकर जोड़ा बनाया जाएगा। प्रत्येक जोड़े को रोजाना ही साथ में बैठाकर कुछ नया सीखने का लक्ष्य दिया जाएगा।

एसआरजी डॉ.अरुण गुप्ता ने बताया कि बच्चे अपने साथियों से ज्यादा सीखते हैं। ऐसे में सहयोगी के साथ बैठाकर उन्हें सिखाने का प्रयास किया जाएगा। उन्हें अक्षर ज्ञान, पहाड़े, अंग्रेजी के अक्षर आदि सिखाने के लिए रोजाना लक्ष्य दिया जाएगा। इसके जरिये बच्चे जल्दी सीखेंगे। बीएसए दिव्या गुप्ता ने बताया कि पियर लर्निंग के जरिये बच्चे निपुण हो सकेंगे। उन्हें विभिन्न विषयों में जानकारी मिल सकेगी। जनपद के स्कूलों में पियर लर्निंग के तहत प्रत्येक जोड़े की सूची को विद्यालय में चस्पा कर दिया गया है। सूची को डीएम कार्यालय में भी उपलब्ध कराया गया है। स्कूल के नोडल शिक्षक को रोजाना ही बच्चों को लक्ष्य देने के निर्देश दिए गए हैं।

भावलखेड़ा को हराकर इस्लामिया कॉलेज बना विजेता

शाहजहांपुर। माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से जनपदीय वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सीनियर वर्ग में इस्लामिया कॉलेज ने बाजी मारकर मंडल में जगह बनाई।

सोमवार को दोपहर 12 बजे इस्लामिया इंटर कॉलेज के मैदान पर आठ टीमों के बीच मुकाबले खेले गए। सब जूनियर में इस्लामिया कॉलेज व पुवायां कॉलेज के बीच मैच हुआ। इसमें इस्लामिया कॉलेज ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बाजी मारी।

अंडर–17 में रामदत्त पंचायत इंटर कॉलेज भावलखेड़ा ने पुवायां कॉलेज को हरा दिया। सीनियर वर्ग में इस्लामिया इंटर कॉलेज ने रामदत्त पंचायत इंटर कॉलेज को हराकर बाजी मारी। इससे पहले प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रधानाचार्य मोहम्मद अयूब खां ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया।

इस मौके पर जिला व्यायाम शिक्षक रामकुमार, मेजर अनिल कुमार मालवीय, राहुल कुमार, सत्यपाल सिंह, सचिन प्रेमी, फैसल रियाज आदि मौजूद रहे।

शिक्षक समस्याओं के निस्तारण के लिए यूटा ने दिया ज्ञापन

शाहजहांपुर। यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) के प्रतिनिधिमंडल ने कलक्ट्रेट में नायब तहसीलदार अपूर्वा सिंह व बीएसए को ज्ञापन सौंपा। उनसे समस्या के समाधान की मांग की।

जिलाध्यक्ष विनीत गंगवार के नेतृत्व में डीएम को संबोधित ज्ञापन में बताया गया है कि जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2026 की निर्वाचन नामावलियों के पुनरीक्षण कार्य में अधिकतर शिक्षकों की प्राथमिकता के आधार पर बीएलओ कार्य को ड्यूटी लगाई गई है। इसमें बहुत से एकल शिक्षक एवं इंचार्ज शिक्षकों की ड्यूटी भी लगा दी गई है। इससे विद्यालयों में छात्र–छात्राओं के पठन–पाठन का कार्य प्रभावित होगा।

इसी तरह बीएसए को ज्ञापन देकर बताया कि वर्ष 2000 से लेकर 2005 तक विभिन्न भर्ती विज्ञापन के आधार पर शिक्षामित्रों की नियुक्ति शिक्षकों के रिक्त पदों के सापेक्ष हुई है। इनमें से अधिकतर अब विभिन्न भर्ती प्रक्रिया में चयनित होकर सहायक अध्यापक पद पर कार्यरत हैं।

नियमानुसार पुरानी पेंशन के लिए इनका विकल्प पत्र लेना चाहिए। ज्ञापन देने वालों में हरिशंकर, पृथ्वीराज, अमित कुमार, अवनीश कुमार सिंह आदि शामिल रहे।

चुनाव में बड़े स्तर पर वोटों की धांधली हुई

शाहजहांपुर। वोट चोरी के कथित आरोप के खिलाफ दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के बाद जिला स्तर पर निर्वाचन सूचियों में धांधली के आरोप लगने लगे हैं। मंगलवार को कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता ने कहा कि भाजपा की सरकार में पंचायत चुनाव में धांधली की गई। इसे लेकर जनता में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

टाउन हॉल स्थित कार्यालय पर पत्रकार वार्ता में जिलाध्यक्ष ने कहा कि जनपद में बड़े स्तर पर बूथों पर वोटों की धांधली की गई। इसके लिए एक–एक कार्यकर्ता की ड्यूटी लगाकर मतदाता सूचियों की जांच कराएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि ब्लॉक प्रमुख के चुनाव में सिंधौली के प्रत्याशी के घर पर पुलिस तैनात कर दी गई। डरा–धमकाकर उन्हें चुनाव हरा दिया गया।

इस पंचायत चुनाव में कांग्रेस पूरी दमदारी से चुनाव लड़ेगी। धांधली को नहीं होने दिया जाएगा। जनता के बीच जाकर वोटों की चोरी को लेकर जागरूक करेंगे। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष तकवीम हसन खां, उपाध्यक्ष फुरकान कुरैशी, गौरव त्रिपाठी, रफी उल हसन खां, अदीब अहमद अंसारी आदि मौजूद रहे।

कुत्तों से निजात दिलाने के लिए स्क्वायड का होगा गठन

शाहजहांपुर। गली–मोहल्लों में कुत्ते विशेषकर बच्चों के लिए खतरे का सबब बन रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसके संबंध में आदेश जारी किए हैं। ऐसे में नगर निगम के अधिकारियों ने कुत्तों को पकड़ने के लिए डॉग स्क्वायड का गठन करने की कवायद शुरू की है। कुत्तों को पकड़कर उनकी नसबंदी कराई जाएगी। शहर की पॉश कॉलोनी सिटी पार्क में कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। कुत्ते घरों के बाहर तथा पार्क में घूमते रहते हैं और आए दिन छोटे बच्चों और अन्य लोगों के पीछे भौंकते हुए दौड़ते हैं और काट भी लेते हैं। इससे कॉलोनीवासियों में डर का माहौल बना हुआ है। कॉलोनी के लोगों ने बताया कि इस मामले में नगर निगम में कई बार शिकायत करने के बावजूद कुत्तों की समस्या का निदान नहीं मिल सका है। नगर निगम किसी अप्रिय घटना होने का इंतजार कर रहा है। डर का माहौल ऐसा है कि बच्चे और बूढ़े पार्क में टहलना छोड़ चुके हैं। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो वे सामूहिक आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। पुराने जिला अस्पताल में एंटी रैबीज वैक्सीन लगाई जाती है। रोजाना सौ से 120 लोग वैक्सीन लगवाने पहुंचते हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि रोजाना कितने लोग बंदर और कुत्तों का शिकार हो रहे हैं। नगर निगम की ओर से न्यू करवा सिटी में एनिमल बर्थ सेंटर का लाखों की लागत से निर्माण कराया गया है। इसका उद्देश्य है कि यहां पर कुत्तों की नसबंदी की जाएगी। इसमें चिकित्सीय स्टाफ रखने के लिए अभी टेंडर प्रक्रिया शुरू नहीं पाई है। इसकी वजह से इसकी शुरुआत नहीं हो पाई है। नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इसके साथ ही कुत्तों को पकड़ने के लिए डॉग स्क्वायड का गठन किया जाएगा।

रोल प्ले प्रतियोगिता में शाहबाजनगर अव्वल

शाहजहांपुर। राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना के अंतर्गत जनपद स्तरीय भूमिका निर्वाह (रोल प्ले), निबंध लेखन, पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रोल प्ले में शाहबाजनगर की टीम अव्वल रही।

राजकीय इंटर कॉलेज में प्रतियोगिता का शुभारंभ दीप जलाकर किया गया। इसके बाद रोल प्ले में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शाहबाजनगर ने प्रथम, मेजबान जीआईसी ने द्वितीय व कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय जैतीपुर ने तीसरा स्थान पाया।

निबंध लेखन में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शाहबाजनगर की छात्रा बुशरा ने प्रथम, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय जैतीपुर की वर्तिका ने द्वितीय व पीएमश्री जीआईसी के छात्र शशिकांत ने तीसरा स्थान पाया। पोस्टर–पेंटिंग में जीआईसी के रुद्र प्रताप प्रथम, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्रा हंसा द्वितीय व शाहबाजनगर की छात्रा फूलमा तृतीय रहीं।

निर्वाचन कार्यालय घेरने जा रहे युवाओं को रोका, पुलिस से धक्का-मुक्की

शाहजहांपुर। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र की रक्षा और कथित कार्यकर्ताओं ने टाउनहॉल स्थित कांग्रेस कार्यालय से निर्वाचन कार्यालय की ओर कूच किया। कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए जिलाध्यक्ष रफी उल हसन ने चुनाव आयोग से पिछले वर्षों की डिजिटल वोटर लिस्ट को सार्वजनिक करने की मांग की। चेतावनी दी कि

फर्जी मतदान के विरोध में जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। निर्वाचन कार्यालय घेरने निकले पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। ऐसे में कार्यकर्ताओं की पुलिस से धक्का–मुक्की व नोकझोंक हुई।

मंगलवार को जिलाध्यक्ष रफी उल हसन के नेतृत्व में पहले से सदर पुलिस तैनात थी। युवाओं को पुलिस ने घेरकर आगे बढ़ने से रोका। कार्यकर्ता पुलिस को धकियाते हुए आगे निकल गए।

पुलिस ने शहीदों की प्रतिमाओं से पहले उन्हें रोक लिया। जिस पर कार्यकर्ता धरने पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। चुनाव आयोग जल्द ही पिछले वर्षों की वोटर लिस्ट को सार्वजनिक नहीं करता है, तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर अमिल खान, जिला सचिव फरमान खान, मोहसिन खान, सिकंदर अली, जीएफ कॉलेज अध्यक्ष कैफ आदि मौजूद रहे।

लाइट व्यवस्था और सड़कों को दुरुस्त करने की आई शिकायत

शाहजहांपुर। नगर निगम में संभव के तहत मंगलवार को नगर आयुक्त डॉ. बिपिन कुमार मिश्र की अध्यक्षता में जनसुनवाई का आयोजन हुआ। नौ शिकायत आईं। जिसमें दो का मौके पर निस्तारण किया गया। सबसे अधिक शिकायतें लाइट व्यवस्था और सड़कों को दुरुस्त करने की थीं। नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कराने के निर्देश दिए।

शहर के मोहल्ला सुभाष नगर कॉलोनी निवासी अर्चना वर्मा ने नाले की दीवार गिरने व सड़क धंसने की, मानूजई निवासी मो. हफीज ने स्ट्रीट लाइट सही कराने की, लोक बिहार कॉलोनी में रहने वाले आशुतोष वर्मा ने सफाई कराने की, ककरा निवासी गुफरान और जलालनगर निवासी अमन राठौर ने स्ट्रीट लाइट सही कराने की, अजीजगंज में रहने वाले अखिलेश ने रोड सही कराने की, शांतिपुरम कॉलोनी में रहने वाले मो.सरफराज ने गली निर्माण कराने और कूड़ा उठान कराने की, ककरा कुंड निवासी विशाल ने प्लाट का टीपी नंबर सही कराने और चमकनी करबला में रहने वाले रामलाल ने वेतन वृद्धि का समाधान करने की शिकायत की।

इस दौरान अपर नगर आयुक्त एसके सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक जल विजय नारायण मौर्य, मुख्य अभियंता एसके अंबेडकर, सहायक अभियंता निर्माण विक्रमाजीत यादव, कर अधीक्षक विजय कुमार आदि मौजूद रहे।

खेत से सोलर पैनल चोरी की रिपोर्ट दर्ज

प्रतापगढ़। गांव कढ़ैया निवासी रामसागर ने सोलर प्लेट चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

उन्होंने बताया कि हीरपुर गांव में उनका खेत है। फसलों की सिंचाई के लिए खेत पर 540 वाट की नौ सोलर प्लेट लगीं थीं। छह अगस्त को उनका पुत्र विवेक खेत पर चारा काटने के लिए गया तो खेत से सोलर पैनल की दो प्लेट गायब थीं। कई दिनों तक जानकारी करने के बाद भी सुराग नहीं लगने पर उन्होंने मामले की तहरीर पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नगर पंचायत के पूर्व कर्मी ने दी भूख हड़ताल की चेतावनी

खुटार। नगर के मोहल्ला कोट निवासी शांतनु ने मुख्यमंत्री, सफाई कर्मचारी आयोग, नगर विकास मंत्री, जिला अधिकारी को भेजे गए पत्र में बताया कि वह नगर पंचायत में ठेका सफाई कर्मचारी पद पर कार्य करता था। 13 माह पूर्व बगैर कोई कारण बताए हटा दिया गया। इससे उसका परिवार भुखमरी की कगार पर आ गया है। कई बार अधिकारियों को पत्र भेजे लेकिन कोई सुनवाई नहीं होने पर वह भूख हड़ताल करने के लिए विवश है। शांतनु ने बताया कि यदि उसकी फिर से नियुक्ति नहीं की गई तो वह परिवार सहित 25 अगस्त से नगर पंचायत कार्यालय के परिसर में भूख हड़ताल करेगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले तैयारियों में जुटे रोहित शर्मा

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर के साथ अभ्यास सत्र में भाग लिया। इसकी तस्वीर हिटमैन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से साझा की। बता दें कि, सितंबर में एशिया कप के बाद भारतीय टीम अक्तूबर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। इस दौरान दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज और पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। इससे पहले वनडे टीम के कप्तान रोहित ने अभ्यास शुरू कर दिया है।

रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट प्रारूप से संन्यास ले लिया है और अब इन दोनों बल्लेबाजों के वनडे भविष्य को लेकर अटकलें चल रही है। हालांकि, न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) इन दोनों को लेकर जल्दबाजी दिखाने के मूड में नहीं है। भारतीय क्रिकेट में इस बात की चर्चा है कि अक्तूबर 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक रोहित 40 और कोहली 39 साल के हो जाएंगे। ऐसे में क्या ये दोनों दिग्गज तब तक टिके रह पाएंगे? बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, जाहिर है कि अगर रोहित और कोहली के दिमाग में कोई बात होगी तो वे बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों को बताएंगे जैसे इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट दौरे से पहले किया था। भारतीय टीम के नजरिए से देखें तो अगला बड़ा टूर्नामेंट फरवरी में होने वाला टी20 विश्व कप और उससे जुड़ी तैयारियां हैं। फिलहाल ध्यान एशिया कप टी20 टूर्नामेंट के लिए सर्वश्रेष्ठ टीम भेजने पर होगा, उम्मीद है कि सभी खिलाड़ी फिट और उपलब्ध होंगे।

कोहली अब लंदन में रहते हैं और उन्होंने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की थी जिसमें वो इंडोर नेट सत्र में अभ्यास करते हुए दिख रहे थे। इससे यह संकेत मिलता है कि उन्होंने अभ्यास करना शुरू कर दिया है। रोहित शर्मा आईपीएल के बाद छुट्टी पर इंग्लैंड में थे। हालांकि, अब वह मुंबई लौट आए हैं और अभ्यास शुरू कर दिया है।

आईसीसी के जुलाई महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी बने शुभमन गिल

भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल आईसीसी के जुलाई महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने गए हैं। गिल ने हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर दमदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने इस पुरस्कार की दौड़ में इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स और दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर वियान मुल्डर को पीछे छोड़ा। 25 वर्षीय इस बल्लेबाज ने जुलाई में खेले तीन टेस्ट मैचों में 94.50 के औसत से 567 रन बनाए जिसमें दोहरा शतक भी शामिल है। महिलाओं में यह पुरस्कार इंग्लैंड की बल्लेबाज सोफिया डंकले ने जीता।

गिल ने चौथी बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीता है जो किसी भी पुरुष खिलाड़ी द्वारा सर्वाधिक है। गिल इससे पहले जनवरी 2023, सितंबर 2023 और फरवरी 2025 में भी यह पुरस्कार अपने नाम कर चुके हैं। यह गिल का भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में पहला दौरा था और 25 वर्षीय गिल ने कहा कि यह सम्मान पाना उनके लिए अच्छा सम्मान है। आईसीसी के हवाले से गिल ने कहा, जुलाई महीने के लिए आईसीसी का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने जाने पर बहुत अच्छा लग रहा है। इस बार यह पुरस्कार और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पुरस्कार कप्तान के रूप में मेरी पहली टेस्ट सीरीज में मेरे प्रदर्शन के लिए दिया गया है। बर्मिंघम में लगाया गया दोहरा शतक निश्चित रूप से ऐसी चीज है जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा और यह मेरे इंग्लैंड दौरे के मुख्य आकर्षणों में से एक होगा। गिल ने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज कप्तान के रूप में मेरे लिए सीखने का अनुभव था और दोनों टीमों ने कुछ उत्कृष्ट प्रदर्शन किए, जो मुझे यकीन है कि दोनों टीमों के खिलाड़ी लंबे समय तक याद रखेंगे। मैं इस पुरस्कार के लिए मुझे चुनने के लिए निर्णायक मंडल और इस रोमांचक सीरीज के दौरान मेरे साथ रहे मेरे साथियों का धन्यवाद करना चाहता हूं। मैं आने वाले सीजन में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखने और देश के लिए और भी सम्मान लाने के लिए उत्सुक हूं।

गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल में समाप्त हुई पांच टेस्ट मैच की सीरीज में आगे बढ़कर नेतृत्व किया और बल्लेबाजी में कई रिकॉर्ड अपने नाम किये। भारत की युवा टीम ने यह सीरीज 2द्व2 से ड्रॉ की। गिल ने इस सीरीज में 75.40 की औसत और चार शतकों की मदद से 754 रन बनाए। उन्होंने एक दोहरा शतक भी लगाया। इस 25 वर्षीय बल्लेबाज ने सीरीज में किसी भारतीय कप्तान द्वारा सर्वाधिक रन बनाने का सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड (732) तोड़ा। गिल का प्रदर्शन अब सर्वकालिक कप्तानों की सूची में सर डोनाल्ड ब्रैडमैन (810 रन) के बाद दूसरे स्थान पर है।

बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक तक अध्यक्ष बने रहेंगे बिन्नी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रोजर बिन्नी अगले महीने होने वाली बोर्ड की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) तक अपने पद पर बने रहेंगे। भारत के पूर्व ऑलराउंडर बिन्नी पिछले महीने 70 साल के हुए थे, लेकिन राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक के मंगलवार को राज्यसभा में भी पारित होने के बाद वह कम से कम सितंबर में होने वाली एजीएम तक पद पर बने रह सकते हैं।

बीसीसीआई के राज्य इकाई के सदस्य अगर सहमत होंगे तो

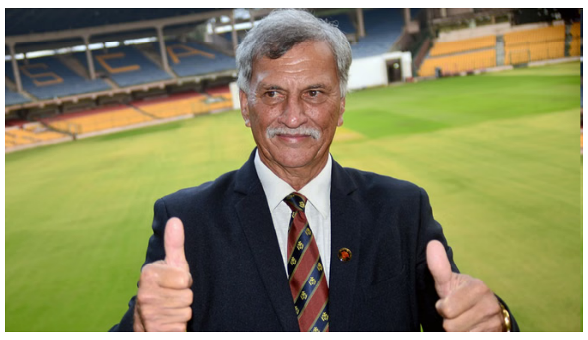

बिन्नी 75 साल की उम्र तक बीसीसीआई अध्यक्ष बने रह सकते हैं क्योंकि राष्ट्रीय खेल महासंघ में पदाधिकारियों की आयु सीमा अब बढ़ गई है। बोर्ड के एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से कहा, रोजर सितंबर में होने वाली बोर्ड मीटिंग तक अपने पद पर बने रहेंगे। उन्हें नया कार्यकाल मिलेगा या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि बीसीसीआई के सदस्य और उससे जुड़े अन्य प्रभावशाली लोग क्या फैसला लेते हैं।

बीसीसीआई राष्ट्रीय खेल विधेयक के दायरे में आएगा, लेकिन देश की सबसे अमीर खेल संस्था पर सूचना का अधिकार (आरटीआई) नियम लागू नहीं होगा क्योंकि वह सरकार से कोई अनुदान नहीं लेती है। बीसीसीआई की कानूनी टीम अभी भी विधेयक के बारीक पहलुओं का अध्ययन कर रही है। सूत्र ने कहा, राष्ट्रीय खेल विधेयक अभी–अभी पारित हुआ है, इसलिए हमारे पास इसका अध्ययन करने और कोई भी निर्णय लेने से पहले उचित चर्चा करने के लिए कुछ समय है। निश्चित रूप से विधेयक में चर्चा के लिए अन्य बिंदु भी हैं और वरिष्ठ खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ सहित सभी हितधारकों से परामर्श किया जाएगा, विशेष रूप से इसलिए क्योंकि क्रिकेट 2028 ओलंपिक में खेला जाएगा।

मालूम हो कि बिन्नी को अक्तूबर 2022 में बीसीसीआई अध्यक्ष बनाया गया था। उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली की जगह ली थी।

द. अफ्रीका ने 53 रन से जीता दूसरा टी20, डेवाल्ड ब्रेविस का नाबाद शतक

डार्विन। ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका को दूसरे टी20 मैच में 53 रन से हरा दिया। डार्विन में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने डेवाल्ड ब्रेविस की नाबाद 125 रनों की पारी की बदौलत सात विकेट पर 218 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम 165 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। इस मुकाबले में जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की टी20 सीरीज में 1–1 की बराबरी कर ली। अब दोनों टीमों के बीच सीरीज का अंतिम और निर्णायक मुकाबला 16 अगस्त को कार्निस में खेला जाएगा।

219 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत खराब हुई। ट्रेविस हेड के रूप में टीम को पहला झटका मार्करम ने दिया। वह सिर्फ पांच रन बना पाए। इसके बाद क्वेन मफाका ने कैमरन ग्रीन को पवेलियन की राह दिखाई। वह सिर्फ नौ रन बना सके। इस दौरान कप्तान और सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श ने कुछ अच्छे शॉट्स खेलकर बड़ी पारी खेलने की कोशिश की। हालांकि, वह नाकाम रहे और 13 गेंदों में 22 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं, टिम डेविड ने एक बार फिर चमक बिखेरी। उन्होंने 24 गेंदों में चार चौके और चार छक्के की मदद से 50 रनों की तूफानी पारी खेली। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के लिए ग्लेन मैक्सवेल ने 16, मिचेल ओन ने आठ, एलेक्स कैरी ने 26, बेन ड्वारशिस ने 12, सीन अबॉट ने एक रन बनाया। वहीं, एडम जाम्पा खाता भी नहीं खोल पाए जबकि जोश हेजलवुड नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका के लिए क्वेन मफाका और कॉर्बिन बॉश ने तीन–तीन विकेट लिए जबकि कगिसो रबाडा, एडेन मार्करम, लुंगी एनगिडी और पीटर को एक–एक सफलता मिली। ब्रेविस ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की जमकर क्लास ली और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला शतक लगाया। ब्रेविस से कम गेंदों पर सिर्फ

डेविड मिलर ने ही दक्षिण अफ्रीका के लिए टी20 शतक लगाया है। मिलर ने बांग्लादेश के खिलाफ 2017 में 35 गेंदों पर शतक लगाया था। इसके साथ ही ब्रेविस दक्षिण अफ्रीका के आठवें बल्लेबाज बने जिन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में शतक लगाया है। वह क्विंटन डिकॉक, फाफ डुप्लेसिस और मिलर की एलीट सूची में शामिल हो गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 57 रन के स्कोर पर तीन विकेट गंवा दिए थे। कप्तान एडेन मार्करम, रियान रिक्लेटन और लुहान ड्री प्रिटोरियस ने सस्ते में अपने विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद ब्रेविस ने ट्रिस्टन स्टब्स के साथ मिलकर पारी को संभाला और चौथे विकेट के लिए 126 रनों की साझेदारी की। इसे एडम जांपा ने स्टब्स को आउट कर तोड़ा जो 31 रन बनाकर आउट हुए। दक्षिण अफ्रीका के लिए स्टब्स और ब्रेविस के अलावा कोई अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर सका। ब्रेविस अंत तक क्रीज पर टिके रहे जिसकी मदद से दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के सामने मजबूत लक्ष्य रखा। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ग्लेन मैक्सवेल और बेन ड्वारशुइस ने दो–दो विकेट लिए, जबकि जोश हेजलवुड और एडम जांपा को एक–एक विकेट मिला।

डी गुकेश सेंट लुई रैपिड एवं ब्लिट्ज के पहले दिन के बाद संयुक्त तीसरे स्थान पर पहुचे

मौजूदा विश्व चैम्पियन डी गुकेश ने अमेरिका के लेवोन अरोनियन से पहले दौर में मिली हार के बाद वापसी करते हुए ग्रिगोरी ओपेरिन और लिएम ले क्वांग पर जीत दर्ज की और ग्रैंड शतरंज टूर के तहत खेले जा रहे सेंट लुई रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट के पहले दिन संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे।

गुकेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्हें पहले दौर में एक कड़े मुकाबले में अरोनियन से हार का सामना करना पड़ा। लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी की और सोमवार को खेली गई अन्य बाजियों में ओपेरिन और लिएम को हराकर संभावित छह में से चार अंक हासिल किए। लॉस वेगास में हाल ही में संपन्न फ्रीस्टाइल शतरंज टूर्नामेंट में जीत दर्ज करने वाले अमेरिकी ग्रैंडमास्टर अरोनियन ने उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव और फ्रांस के मैक्सिम वाचियर–लाग्रेव को हराकर अपना परफेक्ट स्कोर बनाए रखा। अरोनियन छह अंकों के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि उनके हमवतन फैबियानो कारुआना दो जीत और एक ड्रॉ के बाद पांच अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। गुकेश एक अन्य अमेरिकी वेस्ली सो के साथ संयुक्त रूप से तीसरे, जबकि वाचियर–लाग्रेव और लीनियर डोमिन्गुएज पेरेज तीन–तीन अंकों के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर हैं। लिएम और ओपेरिन दो–दो अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। नोडिरबेक के खाते में एक अंक है, जबकि सैम शैंकलैंड अपने सभी मैच हारने के बाद अंतिम स्थान पर हैं। गुकेश को पहले दौर में कैरो कान के डिफेंस गेम के कारण पैदा हुई जटिलताओं के कारण हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे दौर में सफेद मोहरों से खेलते हुए ओपेरिन को शह और मात देने के लिए अपनी रानी की बलि दे दी और आसानी से जीत हासिल की। दिन के आखिरी मुकाबले में लिएम के खिलाफ काले मोहरों से खेल रहे गुकेश को फिर से मुश्किलों का सामना करना पड़ा। लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने दबाव बनाए रखा और आखिर में वह जीत हासिल करने में सफल रहे।

खेल विधेयक के समर्थन में उतरीं पीटी उषा, कहा- गतिरोध होगा खत्म

भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष और राज्यसभा की मनोनीत सदस्य पीटी उषा ने मंगलवार को राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक को अपना स्पष्ट समर्थन देते हुए कहा कि ये दशकों से चली आ रही स्थिर यथास्थिति को समाप्त करने में सहायक होगा। इसके अलावा देश के खेल प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही लएगा। बता दें कि, ये विधेयक लोकसभा के बाद राज्यसभा से भी पारित हो गया। दरअसल, सोमवार को लोकसभा द्वारा पारित विधेयक

पर चर्चा के दौरान उषा ने इसके प्रावधानों की सराहना की। जिसें राष्ट्रीय खेल बोर्ड की स्थापना भी शामिल है। जिसके बाद खेल महासंघों (एनएसएफ) को मान्यता देने का सर्वोच्च अधिकार होगा। केंद्रीय निधि प्राप्त करने के लिए एनएसबी से संबद्धता अनिवार्य होगी।

बता दें कि, विधेयक में खेल विवादों से निपटने के लिए राष्ट्रीय खेल न्यायाधिकरण और राष्ट्रीय खेल चुनाव पैनल को राष्ट्रीय खेल महासंघों के चुनावों की निगरानी का भी प्रस्ताव है। एक अन्य मनोनीत सदस्य सुधा मूर्ति के साथ बैठीं उषा ने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि, आज का दिन व्यक्तिगत और राष्ट्रीय स्तर पर बेहद महत्वपूर्ण है। मुझे इस पल का लंबे समय से इंतजार था।

उन्होंने पिछले साल इस विधेयक का विरोध किया था और इसे सरकारी हस्तक्षेप बताया था और चेतावनी दी थी कि भारत को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति से प्रतिबंध का सामन करना पड़ सकता है। हालांकि, खेल मंत्री मनसुख मंडाविया के साथ व्यापक विचार–विमर्श के बाद उन्होंने अपने विचार बदल दिए हैं।

अन्नू, कुजूर, श्रीशंकर भारत की पहली विश्व महाद्वीपीय टूर प्रतियोगिता में उम्मीदों पर खरे उतरे

स्टार धावक अनिमेष कुजूर, अनुभवी भाला फेंक एथलीट अन्नू रानी और लंबी कूद के दिग्गज एथलीट मुरली श्रीशंकर ने रविवार को भारत की पहली विश्व एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर प्रतियोगिता में अपनी अपनी स्पर्धाओं में जीत हासिल कर उम्मीदों पर खरे उतरे। विश्व एथलेटिक्स की कांस्य स्तर की यह प्रतियोगिता सुचारू रूप से चली, लेकिन इसमें वैश्विक दिग्गजों की भागीदारी काफी कम थी। कुजूर का प्रदर्शन हालांकि नाटकीयता से भरा रहा।

22 वर्षीय इस एथलीट ने सुबह अपनी 100 मीटर की हीट रेस में कुछ कदम के बाद ही दौड़ना बंद कर दिया था।, वह आधे घंटे बाद अपनी 200 मीटर की हीट रेस में दौड़े और 20.99 सेकंड के समय के साथ फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने शाम के सत्र में 200 मीटर फाइनल में 20.77 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। कोरिया के को सेउंघवान (20.95 सेकंड) और एक अन्य भारतीय खिलाड़ी रागुल कुमार (21.17 सेकंड) ने तीसरा स्थान हासिल किया।

कुजूर के नाम 100 मीटर (10.18 सेकंड) और 200 मीटर (20.32 सेकंड) दोनों में राष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं। श्रीशंकर का मुकाबला उभरते हुए किशोर शाहनवाज खान से था। खान ने फरवरी में उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। 17 वर्षीय खान चौथे प्रयास में 8.04 मीटर की छलांग लगाकर शीर्ष पर थे, जबकि श्रीशंकर 7.95 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर थे।

26 साल के श्रीशंकर ने हालांकि अपने अंतिम प्रयास में 8.13 मीटर की छलांग लगाकर रोमांचक अंदाज में स्वर्ण पदक जीता। यह चोट के कारण लंबे समय से बाहर रहने के बाद वापसी पर उनका लगातार चौथा खिताब है। वह हालांकि तोक्यो विश्व चैंपियनशिप के क्वालिफिकेशन मार्क 8.27 मीटर को हासिल करने में नाकाम रहे। महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा में एशियाई खेलों की चैंपियन अन्नू रानी ने चौथे प्रयास में 62.01 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता। इससे सितंबर में होने वाली तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में जगह बनाने की उनकी संभावना मजबूत हो गई। वह 64 मीटर के स्वतः क्वालिफिकेशन से दूर है लेकिन 'रोड टू तोक्यो' सूची में 30 वें पायदान पर है। इसमें सूची में

शीर्ष 36 स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर सकते हैं। उनका राष्ट्रीय रिकॉर्ड 63.22 मीटर है। उन्होंने इसे 2022 में हासिल किया था।

कलिंगा स्टेडियम में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भारतीय प्रतिभागियों द्वारा 80 मीटर का आंकड़ा मुश्किल से पार कर पाने से दर्शक निराश हुए। श्रीलंका के रोमेश थरंगा पथिरागे ने 86.50 मीटर के अपने पहले प्रयास के साथ पुरुषों का भाला फेंक का स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 85.50 मीटर के विश्व चैंपियनशिप के स्वतरू क्वालीफिकेशन को भी पार कर लिया। भारत के 20 वर्षीय शिवम लोहकरे ने 80.73 मीटर के साथ रजत पदक जीता। श्रीलंका के सुमेधा रणसिंघ 80.65 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। भारत के रोहित यादव (80.35 मीटर) और एशियाई चैंपियनशिप के रजत विजेता सचिन यादव (79.80 मीटर) क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। शैली सिंह ने 6.28 मीटर के औसत प्रदर्शन वाले छलांग से महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा जीती। भारतीय पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने श्रीलंका (3रु08.22) के बाद दूसरे स्थान पर रहकर निराश किया। टी. संतोष कुमार, विशाल टी.के., अमोज जैकब और धर्मवीर चौधरी की भारतीय चौकड़ी ने तीन मिनट 08.37 सेकंड का समय लिया।

मलेशिया के मुहम्मद अजीम बिन ने 10.35 सेकंड में 100 मीटर की दौड़ जीतकर मीट के सबसे तेज धावक का खिताब हासिल किया। अभिनया राजराजन ने 11.57 सेकंड के समय के साथ महिलाओं की 100 मीटर फाइनल जीती। इस एक दिवसीय प्रतियोगिता में 15 से अधिक देशों के 150 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। इसकी पुरस्कार राशि 25,000 डॉलर थी।

लोग उन्हें बर्दाश्त करते हैं क्योंकि वो अमिताभ की पत्नी हैं - कंगना

अभिनेत्री व सांसद जया बच्चन का एक वीडियो सामने आया है। वे एक युवक पर नाराजगी जताती दिख रही हैं। दरअसल, युवक बिना अनुमति जया बच्चन के साथ सेल्फी लेने की कोशिश करता है, जिस पर जया बच्चन गुस्से में आग–बबूला होकर शख्स को धक्का देती दिख रही हैं। उनके इस वीडियो पर एक्ट्रेस और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने प्रतिक्रिया दी है।

कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने जया बच्चन के इस रवैये पर नाराजगी जाहिर की है। कंगना ने जया बच्चन के वायरल वीडियो को शेयर करते हुए लिखा है, सबसे बिगड़ैल और प्रिविलेज महिला। लोग उनके नखरे सिर्फ इसलिए बर्दाश्त करते हैं, क्योंकि वे अमिताभ बच्चन जी की पत्नी हैं। ऐसा अपमान, शर्मनाक बात है।

कंगना ने जया बच्चन के बहाने विरोधी पार्टी पर भी निशाना साधा है। उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर जया बच्चन का वीडियो शेयर किया जिसमें वो समाजवादी पार्टी की लाल टोपी पहने नजर आ रही हैं। कंगना ने आगे लिखा, उनके सिर पर रखी समाजवादी टोपी मुर्गे की कलगी की तरह लग रही है और जया खुद लड़ाकू मुर्गे की तरह। बेहद शर्मनाक..।

बता दें कि संसद भवन परिसर में समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन उस वक्त भड़क गईं, जब एक व्यक्ति ने बिना उनकी अनुमति के उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश की। इस दौरान जया बच्चन ने शख्स को फटकार लगाई और डांटते हुए धक्का देकर दूर कर दिया। बता दें कि यह पहली घटना नहीं है, जब सपा सांसद किसी शख्स पर भड़कीं हों।

फिल्म जॉली एलएलबी 3 का टीजर जारी

ऐसे समय में जब नवोदित अभिनेताओं की फिल्में अक्सर अपनी सफलता को लेकर अनिश्चितता का सामना करती हैं, अहान पांडे और अनीत पड्डा अभिनीत 'सैयारा' एक ब्लॉकबस्टर साबित हुई है। 18 जुलाई, 2025 को रिलीज हुई इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म ने रिलीज के सिर्फ 25 दिनों के भीतर ही पूरे भारत में 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म की सफलता निर्विवाद है, क्योंकि श्सैयाराश की स्क्रीनिंग के दौरान प्रशंसक रोते और चीखते नजर आए। लेकिन प्रशंसकों के बीच इस फिल्म का क्रेज अभी खत्म नहीं हुआ है, क्योंकि जिन प्रशंसकों ने इस फिल्म को कई बार देखा होगा, वे इसके ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कई रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म श्सैयाराश ओटीटी दिग्गज नेटफ्लिक्स पर अपना डिजिटल डेब्यू करेगी। गौरतलब है कि इसकी ओटीटी रिलीज को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई हैय हालाँकि, वाईआरएफ की कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर सैयारा की ओटीटी रिलीज डेट से जुड़ा एक सोशल मीडिया पोस्ट फिर से शेयर किया है। इंस्टाग्राम स्टोरी में, उन्होंने ओटीटीएफएलआईएक्स के उस पोस्ट को फिर से शेयर किया, जिसमें दावा किया गया था कि सैयारा 12 सितंबर, 2025 को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध होगी।

महेश बाबू की 'राव बहादुर' का फर्स्ट लुक जारी, सत्यदेव का शाही अंदाज वायरल!

महेश बाबू की नवीनतम प्रोडक्शन कंपनी, सत्य देव अभिनीत, का फर्स्ट–लुक पोस्टर जारी हो गया है, जिसमें उनका एक अनोखा रूप देखने को मिल रहा है।

महेश बाबू द्वारा प्रस्तुत, वेंकटेश महा द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक अनोखे और पहले कभी न देखे गए रूप के साथ आने वाली है। फिल्म का निर्माण जीएमबी एंटरटेनमेंट, एएस मूवीज, श्रीचक्रास एंटरटेनमेंट्स, महायान मोशन पिक्चर्स द्वारा किया गया है!

तेलुगु भाषा की इस फिल्म का लेखन, निर्देशन और संपादन वेंकटेश महा ने किया है। चिंता गोपालकृष्ण रेड्डी, अनुराग रेड्डी और शरत चंद्र द्वारा निर्मित। प्रसिद्ध अभिनेता सत्यदेव इस फिल्म में श्राव बहादुरश की भूमिका निभाते नजर आएंगे। दी गई जानकारी के अनुसार, यह फिल्म 2026 की गर्मियों में बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

फर्स्ट लुक पोस्टर में, सत्यदेव एक बुजुर्ग लेकिन शाही अवतार में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने शाही पगड़ी, मोतियों का हार और उंगलियों में अंगूठियां पहनी हुई हैं। उनके कपड़ों पर मोर के पंख और बेल के डिजाइन हैं। खास बात यह है कि पोस्टर में बच्चों के खेलते हुए छोटे–छोटे चित्र भी हैं।

महेश बाबू के प्रोडक्शन स्टूडियो, 'जीएमबी एंटरटेनमेंट' ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म का पहला पोस्टर शेयर किया। निर्देशक महा, जिन्होंने पहले समीक्षकों द्वारा प्रशंसित श्सीध्ओ कंचारपालमश और श्उमा महेश्वर उग्र रूपस्यश का निर्देशन किया था, ने इस प्रोजेक्ट को लिखा और निर्देशित किया है।

वैराइटी के अनुसार, फिल्म निर्माता इसे 'दुनिया के लिए बनाई गई एक तेलुगु कहानी' बताते हैं, जिससे यह तस्वीर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय हो सके। इस आउटलेट के अनुसार, फिल्म का पहला फुटेज 'नॉट इवन ए टीजर' के जरिए आएगा, जो 15 अगस्त, भारत के स्वतंत्रता दिवस पर सिनेमाघरों में रिलीज होगा, और उसके अगले हफ्ते डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगा।

जिन लोगों को नहीं पता, उनके लिए अभिनेता सत्यदेव कंचारणा मुख्य रूप से तेलुगु और हिंदी फिल्मों में काम करते हैं। उन्हें श्ब्लफ मास्टरश, श्उमा महेश्वर उग्र रूपस्यश, श्गॉडफादरश और श्राम सेतुश जैसी फिल्मों में उनके किरदारों के लिए जाना जाता है। 36 वर्षीय अभिनेता आखिरी बार अमेजन प्राइम वीडियो की सीरीज श्अरेबिया कदलीश में नजर आए थे। वह विजय देवरकोंडा की जेल ड्रामा फिल्म 'किंगडम' का भी हिस्सा थे।

कपिल शर्मा की बढ़ी सुरक्षा, कनाडा में कैफे पर फायरिंग के बाद मुंबई पुलिस का फैसला

मुंबई पुलिस ने हास्य कलाकार और टेलीविजन होस्ट कपिल शर्मा को पिछले महीने कनाडा के सरे में उनके नए खुले कैफे में गोलीबारी की दो घटनाओं के बाद सुरक्षा मुहैया कराई है। ताजा गोलीबारी गुरुवार, 7 अगस्त की सुबह न्यूटन इलाके में हुई। सरे पुलिस ने एक बयान में कहा कि 7 अगस्त, 2025 को लगभग 4रू40 बजे, एसपीएस फ्रंटलाइन अधिकारियों ने 120 स्ट्रीट के 8400 ब्लॉक में एक व्यवसाय के बाहर गोलीबारी की सूचना पर कार्रवाई की।

हालाँकि पुलिस ने प्रतिष्ठान की पहचान नहीं की है, लेकिन कनाडाई मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि निशाना बनाया गया स्थल शर्माज कप्स कैफे था। यह घटना 10 जुलाई, 2025 को इसी स्थान पर हुई एक ऐसी ही गोलीबारी के बाद हुई है। दोनों ही मामलों में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन बार–बार हुए हमलों ने गंभीर सुरक्षा चिंताएँ पैदा कर दी हैं। सरे पुलिस दोनों घटनाओं की जाँच कर रही है, गोलीबारी के बीच संभावित संबंधों और क्षेत्र में किसी व्यापक आपराधिक गतिविधि से इनके जुड़े होने की जाँच कर रही है।

अपने लोकप्रिय टेलीविजन शो ष्द कपिल शर्मा शोष् के लिए मशहूर 43 वर्षीय कॉमेडियन ने इस साल की शुरुआत में अपने विदेशी व्यावसायिक उपक्रमों के तहत यह कैफे खोला था। सूत्रों के अनुसार, शर्मा कनाडाई अधिकारियों के संपर्क में हैं और जाँच में पूरा सहयोग कर रहे हैं। यह हमला जुलाई के दूसरे हफ्ते में इसी कैफे में हुई गोलीबारी की घटना के कुछ ही दिन बाद हुआ था, जिसमें कई गोलियाँ चली थीं। पुलिस ने हमले की जाँच शुरू कर दी है। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। कैफे उसी हफ्ते की शुरुआत में खुला था।

उस सुबह कप्स कैफे की एक खिड़की में कम से कम 10 गोलियों के निशान देखे गए, जबकि एक अन्य खिड़की का शीशा टूटा हुआ था। जिस इमारत में कैफे स्थित है, उसकी निचली मंजिल पर खुदरा दुकानें और ऊपर आवासीय अपार्टमेंट हैंय हालाँकि, यह पता नहीं चल पाया है कि इमारत में कितने निवासी रहते हैं। कैफे में गोलीबारी की ताजा घटना ने लक्षित हिंसा की संभावित लहर को लेकर चिंता बढ़ा दी है, तथा गिरोह की संलिप्तता के असत्यापित ऑनलाइन दावों के बीच अधिकारी अपनी जांच जारी रखे हुए हैं।

टाइगर श्रॉफ-संजय दत्त के कहर को देखकर दर्शकों को 'एनिमल' की याद आई

बॉलीवुड के एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ की बहुप्रतीक्षित फिल्म ''बागी 4'' का टीजर आखिरकार सोमवार दोपहर को रिलीज हो गया। इस फिल्म में टाइगर अपने आइकॉनिक किरदार रॉनी के रूप में वापसी कर रहे हैं, लेकिन इस बार उनका सामना सिनेमा के एक दिग्गज खलनायक से होगा, जिसे संजय दत्त ने निभाया है। टीजर में जिस तरह का खूनी और हिंसक एक्शन दिखाया गया है, उससे कई दर्शकों को रणबीर कपूर की फिल्म श्एनिमलश की याद आ गई। बता दें, बागी 4 इस साल 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

टीजर की शुरुआत टाइगर के एक दमदार डायलॉग से होती है, जिसमें वे ''जरूरी'' और ''जरूरत'' के बीच के फर्क को समझाते हैं। इसके बाद हमें संजय दत्त की एक छोटी सी झलक मिलती है, जिसके खिलाफ टाइगर जंग का ऐलान करते हैं। फिर शुरू होता है खूनी एक्शन का सिलसिला, जहां हाथ–पैर कट रहे हैं, खून बह रहा है और लाशों के ढेर लग रहे हैं। इस बार फिल्म में महिलाओं को भी एक्शन का मौका दिया गया है। अभिनेत्री सोनम बाजवा और हरनाज संधू भी धारदार हथियारों से दुश्मनों को काटती हुई नजर आ रही हैं, जो एक नया और रोमांचक बदलाव है।

टीजर में एक्शन की भरमार है, लेकिन कुछ सीन दर्शकों को रणबीर कपूर की फिल्म श्एनिमलश की याद दिला रहे हैं। एक सीन में काले कपडे पहने नकाबपोश आदमियों का गली में भागना, श्एनिमलश के चर्चित हॉलवे फाइट सीन जैसा लग रहा है। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने इस बात को तुरंत पकड लिया। एक यूजर ने लिखा, ''एनिमल'' का हॉलवे वाला सीन तक कॉपी कर लिया।श वहीं, दूसरे यूजर ने और भी तीखी टिप्पणी करते हुए इसे 'सस्ता एनिमल पार्क' बताया।

कार्तिक आर्यन के हाथ लगी इस निर्देशक की फिल्म

अभिनेता कार्तिक आर्यन की आगामी फिल्म की चर्चा हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे आगामी फिल्म 'कैप्टन इंडिया' में वायुसेना पायलट की भूमिका निभाते दिखेंगे। कार्तिक आर्यन के हाथ निर्देशक शिमित अमिन की फिल्म लगी है, जिसमें वे पायलट का रोल करेंगे।

शिमित अमिन के साथ कार्तिक आर्यन की यह पहली फिल्म होगी। बता दें कि शिमित को 'अब तक छप्पन' और 'चक दे! इंडिया' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कार्तिक और शिमित पिछले एक साल से बातचीत कर रहे थे। दोनों के बीच कई विषयों पर बातचीत चल रही थी। इसी बीच शिमित ने कार्तिक को 'कैप्टन इंडिया' के बारे में बताया। उन्हें यह कहानी काफी दिलचस्प लगी। सूत्र ने आगे कहा, 'शिमित ने 'कैप्टन इंडिया' के लिए एक शानदार स्क्रीनप्लेय तैयार किया है। वे 2026 की पहली छमाही में कार्तिक के साथ फिल्म की शूटिंग शुरू करने की तैयारी में हैं। शिमित ने जब कार्तिक को फिल्म की कहानी सुनाई, तो एक्टर को भी स्क्रिप्ट काफी पसंद आई है।

फिल्म की कहानी कथित तौर पर रियल लाइफ घटनाओं से प्रेरित है। शूटिंग भारत और मोरक्को में होगी। एक टीम ने लोकेशन फाइनल करने के लिए रेकी भी कर ली है। पहले, फिल्म निर्माता हंसल मेहता कथित तौर पर आरएसवीपी बैनर तले इस फिल्म का निर्देशन करने वाले थे। फिल्म की शूटिंग मार्च से जुलाई 2026 तक निर्धारित है। यह 2027 की पहली छमाही में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। कार्तिक के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे फिलहाल 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' की तैयारी में व्यस्त हैं।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।